जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 173 दिनांक:06-06-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

यमुना घाटी में यात्रियों की बस खाई में गिरने से 22 लोगों की मौत हो गई है। यह बस करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिरी है।

नई दिल्ली में रविवार को आम आदमी पार्टी ने कश्मीर पर केंद्र सरकार की विफलता के खिलाफ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया।

उत्तरकाशी में यात्रियों की बस खाई में गिरी, 22 लोगों की मौत

-6 घायलों को अस्पताल भेजा गया

उत्तरकाशी (ईएमएस)। यमुना घाटी में यात्रियों की बस खाई में गिरने से 22 लोगों की मौत हो गई है। यह बस करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिरी है। सूचना मिलने पर मौके पर एसडीआरएफ के जवानों को राहत वचाब कार्य पर लगाया गया है। एसपी अर्पण यधुवंशी ने बताया कि डामटा से तकरीबन 2 किलोमीटिर नौगांव की तरफ ये हादसा हुआ है। बस में सवार यात्री मध्य प्रदेश के पन्ना के रहने वाले हैं। 6 लोगों के शव बरामद हुए हैं जबकि 6 घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस और एसडीआरएफ मौके पर मौजूद हैं। डीजीपी अशोक कुमार ने ये जानकारी दी है। तीन एंबुलेंस स्पॉट पर पहुंच गई है। राहत बचाव कार्य जारी है।

जानकारी के अनुसार बस में 28 से 29 लोग सवार थे। चार से पांच लोग गंभीर रुप से घायल बताये जा रहे है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्य सचिव सुखबीर सिंह संधु ने सभी अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। सभी यात्री मध्यप्रदेश के बताए जा रहे हैं। सभी यात्री यमुनोत्री से दर्शन करके लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि डामटा जो कि हिमाचल-उत्तराखंड के बॉर्डर के पास का एरिया है वहां पर ये हादसा हुआ है।

सूचना मिलने पर मौके पर एसडीआरएफ के जवानों को राहत वचाब कार्य पर लगाया गया है। एसपी अर्पण यधुवंशी ने बताया कि डामटा से तकरीबन 2 किलोमीटिर नौगांव की तरफ ये हादसा हुआ है, बस में सवार यात्री जिला पन्ना के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार बस में 28 से 29 लोग सवार थे। चार से पांच लोग गंभीर रुप से घायल बताये जा रहे है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

30 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा, जम्मू कश्मीर प्रशासन ने तीर्थ यात्रियों के लिए जारी किए निर्देश

श्रीनगर (ईएमएस)। 43 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा इस साल 30 जून से शुरू होने वाली है और 11 अगस्त 2022 को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी। यात्रा को देखते हुए जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों के लिए कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और प्रधान सचिव नीतीश्वर कुमार ने यात्रा के लिए सलाह दी है कि भक्तों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

नीतीश्वर कुमार ने कहा कि यात्रियों को सुबह सैर पर जाना चाहिए और सांस संबंधित व्यायाम करने चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि यात्रा के दौरान गर्म कपड़े, खाने-पीने का जरूरी सामान तो रखना ही चाहिए, साथ ही खुद को हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है। नीतीश्वर कुमार ने कहा जो यात्री अमरनाथ यात्रा के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं या कराने जा रहे हैं, उन्हें रोजाना 4 से 5 घंटे सुबह या शाम जरूर टहलना चाहिए।

इसके पीछे के कारणों को बताते हुए उन्होंने कहा कि बाबा बर्फानी 12,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। लिहाजा, यात्रियों को ऊंचाई वाले रास्ते पर चढ़ना पड़ता है। ऐसे में फिट रहना बेहद जरूरी है। नीतीश्वर कुमार ने कहा जब कोई इतनी ऊंचाइयों पर चढ़ता है, तो उसे ऑक्सीजन की कमी की समस्या से सामना करना पड़ता है। इसके लिए सांसों से संबंधित एक्सरसाइज करना जरूरी है। यात्रा के दौरान यात्रियों को गर्म कपड़े रखने की सलाह देते हुए नीतीश्वर कुमार कहते हैं कि बारिश के दौरान यहां का तापमान 5-6 डिग्री नीचे चला जाता है तो ऐसे में लोगों को गर्म कपड़े की जरूरत पड़ेगी।

इससे यात्रा करने में लोगों को आसानी होगी। साथ ही वह यात्रियों को छड़ी और जैकेट साथ रखने की भी सलाह देते हैं।

प्रवक्ता नूपुर शर्मा की टिप्पणी पर भाजपा ने दी सफाई, कहा- सभी धर्मों का करते हैं सम्मान

नई दिल्ली(ईएमएस) भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर की गई विवादास्पद टिप्पणी का मामला खिंचता जा रहा है। सब ओर से विरोध के बाद भाजपा ने नूपुर के बयान पर सफाई दी है। विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए भाजपा ने रविवार को कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती है और किसी भी धार्मिक व्यक्ति के अपमान की कड़ी निंदा करती है। नूपुर शर्मा की टिप्पणी पर उठे विवाद के बीच पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने एक बयान में कहा कि पार्टी किसी भी संप्रदाय या धर्म का अपमान या अपमान करने वाली किसी भी विचारधारा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसे लोगों को बढ़ावा नहीं देती है। हालांकि, भाजपा नेता ने अपने बयान में किसी घटना या टिप्पणी का सीधा जिक्र नहीं किया।

सिंह ने आगे कहा कि भारत के हजारों वर्षों के इतिहास में हर धर्म फला-फूला है। भारतीय जनता पार्टी सभी धर्मों का सम्मान करती है। भाजपा किसी भी धर्म के किसी भी धार्मिक व्यक्ति के अपमान की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के किसी भी धर्म का पालन करने और हर धर्म का सम्मान करने का अधिकार देता है। नूपुर शर्मा की टिप्पणी का मुस्लिम समूहों ने विरोध किया है।

नूपुर शर्मा के खिलाफ इस मामले में दो एफआईआर भी हो चुकी हैं। पहली एफआईआर मुंबई में भारतीय सुन्नी मुसलमानों के सुन्नी बरेलवी संगठन रजा अकादमी ने कराई है। वहीं दूसरी पुणे के कोंढवा पुलिस स्टेशन में राकांपा के एक नेता की शिकायत के आधार की है। तीसरी एफआईआर एक पुलिस अधिकारी ने हैदराबाद के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। सभी मामलों में मुसलमानों की भावनाएं आहत होने की बात कही गई है। गौरतलब है कि इससे पहले नूपुर ने आरोप लगाया था कि उन्हें सोशल मीडिया पर मौत और दुष्कर्म की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद मामले पर टीवी चैनल पर उनकी हालिया बहस का वीडियो एडिट कर वायरल किया गया है। नूपुर के खिलाफ मामला तब सुर्खियों में आया जब एक वायरल वीडियो में दावा किया गया कि भाजपा नेत्री ने एक टीवी शो पर ज्ञानवापी ढांचे पर बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी की है। जिसके बाद नूपुर को कई धमकियां भी मिलीं।

कानपुर हिंसा में पुलिस ने 29 लोगों को गिरफ्तार किया, साक्ष्य जुटाने के बाद ही की गई कार्रवाई : मीणा

कानपुर (ईएमएस)। कानपुर में भड़की सांप्रदायिक हिंसा को लेकर यूपी पुलिस एक्शन में है। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता हयात जफर हाशमी समेत 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई पर कानपुर के काजी प्रमुख मौलाना अब्दुल कद्दूस कादी ने कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से एकतरफा कार्रवाई नहीं करने का आग्रह किया है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि पूरी तरह साइंटिफिक सबूत जुटाने के बाद ही कार्रवाई की जा रही है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने पश्चिम बंगाल और मणिपुर में बंद का आह्वान किया था। इसके भी कनेक्शन को खंगाला जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि पकड़े गए आरोपियों के पास से पीएफआई से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। इन्हें खंगाला जा रहा है। आरोपियों के सोशल मीडिया अकाउंट भी खंगाले जा रहे हैं। कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि अब तक की जांच में पता चला है कि इन लोगों ने शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी और वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों को चिह्नित किया जा रहा है। हमारे पास सभी के नाम आ गए हैं। दो से तीन दिन में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाया जाएगा और इनकी प्रॉपर्टी जब्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्रवाई से ये साफ संदेश दिया जाएगा कि इस तरह की हरकत किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आज बाजार खुले हैं। पुलिस लगातार पैट्रोलिंग कर रही है। उन्होंने पर्याप्त सुरक्षाबलों की तैनाती का दावा करते हुए कहा अगर कहीं पुलिस फोर्स की कमी होगी तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने बताया कि हमें यूपी की आर्म्ड फोर्स पीएसी की 12 और सीएपीएफ की 3 कंपनियां मिली हैं। इससे पहले कानपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा था कि हम हर पहलू की जांच कर रहे हैं। हर संगठन के कनेक्शन को खंगाला जा रहा है।

24 घंटे में सामने आए 4270 नए केस, 15 लोगों की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। बीते 24 घंटों के दौरान देश भर से कोरोना के 4270 नए मरीज़ सामने आए हैं। जबकि इस दौरान वायरस की चपेट में आ कर 15 लोगों की मौत हो गई है। एक दिन पहले देश में कोविड के 3962 मरीज मिले थे। यानी इन आंकड़ों में 300 से ज्यादा का इज़ाफा हुआ है। यह पिछले तीन दिनों में दूसरी बार है जब कोरोना के केस में एक दिन में 4 हजार से ज्यादा का इजाफा हुआ है।

देश में अब एक्टिव मरीज़ों की संख्या 24 हज़ार के पार पहुंच गई है। महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,357 नए मामले सामने आए और महामारी से एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक दिन पहले राज्य में संक्रमण के 1,134 मामले सामने आए थे और तीन मरीजों की मौत हो गई थी।

महाराष्ट्र में लगातार तीसरे दिन संक्रमण के एक हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। शनिवार को सामने आए 1,357 मामलों में से 889 मामले अकेले मुंबई से सामने आए। महामारी से एक मरीज की मौत भी मुंबई में हुई। संक्रमित होने के बाद लोगों के स्वस्थ्य होने की दर 98।05 प्रतिशत है जबकि महामारी से होने वाली मौत की दर 1.87 प्रतिशत है।

राज्य में अभी कोविड-19 के 5,888 मरीजों का इलाज चल रहा है। अब तक संक्रमण के 78,91,703 मामले सामने आ चुके हैं और महामारी से 1,47,865 मरीजों की मौत हो चुकी है। केरल में शनिवार को कोविड-19 के 1,544 नये मामले सामने आए, जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 65,63,910 हो गई है। राज्य में संक्रमण से 48 और मरीजों की मौत हो गई। केरल में पिछले कुछ दिनों से हर दिन कोविड-19 के नए मामलों की संख्या एक हजार से अधिक रही है। राज्य में कोविड-19 के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 7,972 हो गई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने राज्य में कोविड-19 की मौजूदा स्थिति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है।

राजधानी दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 के 405 नए मामले सामने आये और संक्रमण दर 2.07 फीसदी रही। संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं हुई। कोविड-19 के कुल मामले बढ़कर 19,08,387 हो गए। शनिवार को कोविड-19 के कुल 19,562 टेस्ट किए गये थे। यहां शुक्रवार को कोविड-19 के 345 मामले सामने आये और संक्रमण दर 1.88 फीसदी थी।

तामिलनाडु में शनिवार को कोविड-19 के 105 नये मामले सामने आए, जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 34,55,976 हो गई। इस बीच, गुजरात में शनिवार को कोविड-19 के 56 नए मामले सामने आए, जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 12,25,394 हो गई। जबकि इस दौरान किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों की तादाद 10,944 पर ही स्थिर रही।

घाटी में बड़ी चुनौती से जूझ रही सेना पाकिस्तानी एजेंसी कश्मीरी युवाओं का कर रहा ब्रेन वॉर्शी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कश्मीर में आईएसआई की साजिश और स्थानीय स्तर पर बदली हुई रणनीति के साथ आतंकी गुटों की बढ़ी हरकत ने सुरक्षा बलों की चुनौती बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि एक तरफ पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई अपने हथकंडों से कश्मीरी युवाओं का ब्रेन वॉश कर रहा है। वहीं, लश्कर के प्रॉक्सी टीआरएफ के जरिए कश्मीरी पंडितों और गैर कश्मीरियों पर हमले किए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर युवाओं को आतंकी गुटों में भर्ती करने की आतंकियों की साजिश को नाकाम करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को विशेष कार्रवाई करने को कहा गया है। सुरक्षा एजेंसियों से कहा गया है कि कश्मीर में आतंकियों से जुड़े खुफिया इनपुट को और मजबूत किया जाए और उनकी पहचान कर उनके खिलाफ एक्शन लिया जाए। एजेंसियों के सामने चुनौती यह है कि स्थानीय स्तर पर आतंकियों की भर्ती नहीं रुक रही है और आम लोगों के साथ घुलमिलकर हमला करने वाले हाइब्रिड आतंकियों की संख्या भी बढ़ रही है। फिलहाल, सुरक्षा पुख़्ता करने के लिए कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं।

हैदराबाद गैंगरेप मामले में चौथा आरोपी भी गिरफ्तार

हैदराबाद (ईएमएस)। हैदराबाद में किशोरी से गैंगरेप मामले में पुलिस ने रविवार को चौथे आरोपी को भी गिरफ्त में ले लिया। जुबली हिल्स के इंस्पेक्टर एस राजशेखर रेड्डी ने बताया कि मामले एक और आरोपी को हिरासत में लिया गया है। अब कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पांचवां आरोपी अभी भी फरार है। जुबली हिल्स इलाके में 28 मई को 17 वर्षीय लड़की पार्टी के बाद घर लौट रही थी, उसी दौरान उसके साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। मामला तब सामने आया जब नाबालिग लड़की के पिता ने घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लड़की के पिता की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धारा 354, 323 और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम की धारा 9 और 10 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) जोएल डेविस के मुताबिक, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पीड़िता के बयान के आधार पर पांच अपराधियों की पहचान की। सीसीटीवी फुटेज में लड़की कुछ संदिग्ध हमलावरों के साथ पब के बाहर खड़ी दिखाई देती है। यहीं पर वह उनसे मिली थी। हमलवारों ने उसे घर छोड़ने की बात कहकर गाड़ी में बिठाया। इसके बाद उसके साथ मारपीट और दुष्कर्म किया। बता दें, नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बांडी संजय ने शनिवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को पत्र लिखकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है। नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म मामले में जनसेना पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग करते हुए जुबली हिल्स थाने पर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में उन्हें हिरासत में ले लिया गया और गोशामहल पुलिस मुख्यालय में शिफ्ट कर दिया गया।

पुलिस की मौजूदगी में मौलाना भड़के, कहा- 'पैगंबर के खिलाफ बोले तो नोच लेंगे आंख, तोड़ देंगे हाथ

बूंदी, राजस्थान (ईएमएस)। भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा की विवादित बयान के बाद उठे तूफान से समुदाय विशेष आंदोलित है अब राजस्थान के एक मौलाना ने भड़काऊ बयान दिया है। बूंदी के मौलाना मुफ्ती नदीम ने कहा है कि पैगम्बर मोहम्मद साहब के खिलाफ बोलने वालों पर कार्रवाई नहीं की गई तो मुस्लिम समाज खुद उनसे निपटेगा। भाजपा प्रवक्ता के बयान को लेकर मुस्लिम समाज शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंचा था। इस दौरान मौलाना नदीम ने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'जो पैगम्बर साहब के खिलाफ बोलेगा तो उसकी आंख नोच लेंगे, हाथ उठाया तो हाथ तोड़ देंगे और उंगली उठाई तो उंगली भी तोड़ देंगे।' हैरानी की बात यह है कि मौलाना ने यह भड़काऊ बयान कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद राजस्थान पुलिस के सामने दिया।

मौलाना मुफ्ती का बयान तेजी से वायरल हो रहा है। बूंदी के मौलाना मुफ्ती नदीम ने अपने बयान में कहा है कि अगर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ बयान अगर कानूनी तौर पर सही है, तो हम ऐसे कानून के खिलाफ भी जाएंगे। अगर कानून के खिलाफ है तो बूंद प्रशासन और देश की हुकूमत कान खोलकर सुन लें, आका की शान में गुस्ताखी करने वालों के खिलाफ एक्शन ले ले, अगर नहीं लिया तो फिर मुसलमान रिएक्शन देगा।

मौलाना मुफ्ती ने आगे कहा, मुसलमान जब रिएक्शन देता है तो तारीख उठाकर देख लें, जब जब जिस कौम के खिलाफ मुसलमानों ने रिएक्शन दिया है, उनको जमीन का एक टुकड़ा तक नसीब नहीं हुआ। मौलाना ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि अगर बयान देने वालों के खिलाफ एक्शन नहीं लिया तो हम रिएक्शन देंगे। ये कोई गुजारिश नहीं, खुली चेतावनी है। इस दौरान जिला कलेक्ट्रेट पर मुस्लिम समाज ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे, लेकिन वह सब सुनते रहे। अब इस पूरे मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है।

डियो एड गैंगरेप की सोच को बढ़ावा देता है, फरहान खान-प्रियंका चोपड़ा ने निंदा की

मुंबई(ईएमएस) पिछले दिनों डियो कंपनी के लेयर शॉट का एक विज्ञापन रिलीज हुआ, जिसने एक बड़े वर्ग को आक्रोशित कर दिया है। कई मीडिया सेलेब्स के साथ-साथ एक्टर फरहान अख्तर ने भी इस ऐड पर कड़ा रिएक्शन दिया है। फरहान अख्तर ने ट्वीट कर इसे शर्मनाक बताया। एक्टर फरहान अख्तर ने ट्वीट कर इस विज्ञापन को निंदनीय बताया। उन्होंने ट्वीट किया, ऐसे बदबूदार डियो को बनाने के लिए एक बेहद ही घटिया और ट्विस्टेड दिमाग की जरूरत होती है। ये बहुत शर्मनाक है। ऐसे ऐड समाज में गैंगरेप की सोच को बढ़ावा देते हैं। फरहान अख्तर के इस ट्वीट पर कई लोगों ने कमेंट किया।

एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर के इस ट्वीट पर कई लोगों ने मिक्सड प्रतिक्रिया दी। कुछ यूजर्स ने इसे सारकास्म बताया तो कुछ ने फरहान की सराहना की। वहीं कुछ यूजर ने फरहान को डॉन की स्क्रिप्ट पर फोकस करने की सलाह तक दे डाली। एक यूजर ने लिखा - आपको ब्रांड का नाम बताने में शर्म नहीं महसूस करनी चाहिए। तो दूसरे यूजर ने लिखा - तुम डॉन 3 लिखने पर फोकस करो फरहान। वहीं एक यूजर ने तो फरहान के पापा यानी जावेद अख्तर के एक स्टेटमेंट का स्क्रिनशॉट शेयर कर यहां लिख दिया- अपने बाप को भी समझा दे फिर। इस ऐड पर एक्ट्रेस रिचा चढ्डा ने भी अपना रिएक्शन दिया था। एक्ट्रेस ने इसे बेहुदा बताया और कहा- क्या रेप सबके लिए मजाक बन गया है?

वहीं ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने भी ट्वीट कर इस ऐड पर आपत्ति जताई थी। कितने ही लोग इस विज्ञापन को सही मानेंगे, मुझे खुशी है कि इस पर रोक लगा दी गई है। फैशन फोटोग्राफर और नीरजा जैसी फिल्मों के प्रोड्यूसर रह चुके अतुल कसबेकर ने इस विज्ञापन पर सवाल खड़े करते हुए कहा- ऐसे ऐड को ग्रीन सिग्नल मिल कैसे जाता है? लेयर शॉट डियो ने हाल ही में एक विज्ञापन रिलीज किया जिसमें तीन लड़के डियो के चुनाव पर एक लड़की के पीछे खड़े डबल मीनिंग बातें करते दिख रहे हैं। कम्पनी के इस ऐड पर बवाल मच गया है। हर कोई इस विज्ञापन को तुरंत हटाने की मांग कर रहा है। विवाद के बाद केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूटयूब और ट्विटर से इसको तुरंत हटाने के लिए कहा है।

भारतीय नोटों पर जल्द देखने को मिल सकती है रवीन्द्रनाथ टैगोर और अब्दुल कलाम की फोटो

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय मुद्रा यानि नकद नारायण पर जल्द ही देश के 11वें राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम और रवीन्द्रनाथ टैगोर की फोटो देखने को मिल सकती है। अब तक भारतीय नोटों पर केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो ही छपती आई है। अब लोगों को महात्मा गाँधी की फोटो वाले नोटों के साथ ही टैगोर और कलाम की फोटो वाले नोट भी देखने को मिल सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जल्द ही ऐसा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कथित तौर पर कुछ बैंक नोटों की एक श्रृंखला पर कलाम और टैगोर के वॉटरमार्क का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर का नाम देश और दुनिया में तो लोग आदर के साथ लेते हैं ही, लेकिन बंगाल में उन्हें एक विशेष दर्जा दिया जाता है। बंगाल में बड़ी संख्या में घरों में रवीन्द्रनाथ टैगोर की तस्वीर देखी जा सकती है। वहीं, भारत के 11 वें राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम देश के एक महान व्यक्तित्वों में से एक हैं। इनकी फोटो अब महात्मा गांधी के साथ भारतीय नोटों में देखी जा सकती है। बता दें कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब आरबीआई नोटों पर महात्मा गांधी के अलावा अन्य मशहूर हस्तियों की फोटो इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है।

यदि आप सोच रहे हैं कि ऐसा क्यों हो रहा है, तो बता दें कि करेंसी नोटों पर कई अंकों के वॉटरमार्क को शामिल करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। यहां बता दें कि अमेरिका में विभिन्न मूल्यवर्ग के डॉलर्स में जॉर्ज वाशिंगटन, बेंजामिन फ्रैंकलिन, थॉमस जेफरसन, एंड्रयू जैक्सन, अलेक्जेंडर हैमिल्टन और अब्राहम लिंकन सहित 19 वीं सदी के कुछ राष्ट्रपतियों के चित्र हैं।

सूत्रों के अनुसार आरबीआई और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मीटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसपीएमसीआईएल) ने आईआईटी-दिल्ली के एमेरिटस प्रोफेसर दिलीप टी शाहनी को गांधी, टैगोर और कलाम वॉटरमार्क के नमूनों के दो अलग-अलग सेट भेजे हैं। साहनी को दो सेटों में से चुनने और उन्हें सरकार द्वारा अंतिम विचार के लिए पेश करने के लिए कहा गया है। वॉटरमार्क की जांच करने वाले प्रोफेसर शाहनी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंस्ट्रुमेंटेशन में माहिर हैं। उन्हें इस साल जनवरी में मोदी सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

कार्टून कोना

कश्मीरी पंडितों की हत्याओं पर केजरीवाल ने कीं 4 मांगें, जंतर-मंतर पर की रैली

नई दिल्ली(ईएमएस) कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाकर की जा रहीं हत्याओं में बढ़ोतरी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर जन आक्रोश रैली आयोजित कर भाजपा की केंद्र सरकार पर निशाना साधा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में प्रशासन कश्मीरी पंडितों को घाटी में हाल ही में टार्गेट किलिंग के खिलाफ विरोध करने की अनुमति भी नहीं दे रहा है। केजरीवाल ने कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा के लिए सरकार के सामने चार मांगें भी रखीं। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है और 1990 के दशक में जो हुआ था, वही सब फिर दोहराया जा रहा है।

केजरीवाल ने कहा कि कश्मीरी पंडित टार्गेट किलिंग का विरोध करते हैं, तो कश्मीर में वर्तमान भाजपा सरकार उन्हें विरोध करने की अनुमति नहीं देती है। अगर सरकार इस तरह का व्यवहार करती है, तो लोगों की पीड़ा दोगुनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इसमें विफल रही है।

केजरीवाल ने कहा कि कश्मीरी पंडित केंद्र की मीटिंग नहीं चाहते, कार्रवाई चाहते हैं। 1990 का दौर फिर आ गया है। सरकार के पास कोई योजना नहीं है। जब भी घाटी में कोई हत्या होती है, तो खबर आती है कि गृह मंत्री ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है, हमें अब इन बैठकों की नहीं कार्रवाई की जरूरत है, कश्मीर कार्रवाई चाहता है। उन्होंने कहा कि आज हम केंद्र सरकार के सामने 4 मांग रखते हैं। पहली- भाजपा की केंद्र सरकार देश के सामने कश्मीरी पंडितों, हिंदुओं और फौज की सुरक्षा का प्लान रखे। दूसरी- ये बॉन्ड रद्द किया जाए। तीसरी- कश्मीरी पंडितों की हर मांग पूरी की जाए और चौथी मांग है कि इनको सुरक्षा प्रदान की जाए।

इसके साथ ही केजरीवाल ने पाकिस्तान को हड़काते हुए कहा कि हम पाकिस्तान को बताना चाहते हैं कि वह छिछोरी हरकत करना बंद करे। कश्मीर को कोई भी भारत से अलग नहीं कर सकता। कश्मीर भारत का था, भारत का है और हमेशा भारत का ही रहेगा। जम्मू और कश्मीर में पिछले कुछ महीनों में नागरिकों की हत्याओं में वृद्धि देखी गई है- तीन महीनों में 13 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और एनएसए अजीत डोभाल ने इस मामले को लेकर शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की थी।

दक्षिण-पश्चिम मानसून देश में तेजी से बढ़ रहा है, आंतरिक कर्नाटक में एक दो स्थानों पर बारिश की संभावना

नई दिल्ली(ईएमएस)। मानसून बंगाल की खाड़ी के रास्ते पूर्वोत्तर भारत में प्रवेश कर चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, बंगाल की खाड़ी के उत्तरपूर्व और मध्य के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा है। आईएमडी ने यह भी बताया कि मानसून मिजोरम, मणिपुर औ=नागालैंड के अधिकतर हिस्सों में पहुंच चुका है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून पश्चिम बंगाल से बिहार, झारखंड की तरफ बढ़ रहा है। स्काईमेट वेदर के अनुसार दक्षिण प्रायद्वीप में कमजोर मानसून की स्थिति और देश के उत्तरपूर्वी हिस्से में सामान्य रहने की संभावना है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कहीं-कहीं भारी बारिश संभव है और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के हिस्सों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा भारी बारिश हो सकती है। केरल, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक, पूर्वोत्तर बिहार के कुछ हिस्सों और जम्मू कश्मीर में हल्की बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, बंगाल की खाड़ी के उत्तरपूर्व और पूर्व मध्य हिस्सों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा है साथ ही यह मिजोरम, मणिपुर और नगालैंड के अधिकतर हिस्सों तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने मॉनसून की शुरुआत के कारण 8 जून की सुबह तक कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। अगले पांच दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा वाले जिलों में आकाशीय बिजली चमकने और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

भारत के दक्षिणी प्रायद्वीप की ओर अरब सागर से आ रहे मानसूनी हवाओं के मद्देनजर मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी अंदरुनी इलाकों, केरल, माहे और लक्षद्वीप में बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले अगले पांच दिनों तक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तरी अंदरुनी कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के छिटपुट इलाकों में बारिश हो सकती है।

भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि दक्षिण पश्चिम मानसून पश्चिम बंगाल से बिहार, झारखंड की तरफ बढ़ रहा है। फिलहाल बंगाल के उत्तर पश्चिम की खाड़ी में मानसून पहुंच चुका है। बिहार में मानसून का प्रवेश उत्तर पूर्व के राज्यों के रास्ते होता है। मिजोरम, मणिपुर और नगालैंड के अधिकांश हिस्सों में मानसून पहुंच गया है। बिहार में मानसून का प्रवेश पूर्णिया जिले के रास्ते होने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी मानसून मानचित्र में बताया गया है कि मानसून बिल्कुल बिहार की सीमा पर आ गया है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में मानसून तय समय से छह दिन पहले ही आ गया है। अगर मानसून की यही गति बनी रही तो बिहार में इसका प्रवेश 10 जून से भी पहले हो सकता है। हालांकि, मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, मानसून का बिहार में प्रवेश 13 से 15 जून के बीच होने की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो, दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और आस-पास के राज्यों में 25 जून तक मानसून पहुंच सकता है। वहीं, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार में 15 जून के आस-पास मॉनसून के पहुंचने का अनुमान है।

जन हितैषी

चीन को संदेश

भारत और अमेरिका समेत 26 देश दुनिया की सबसे बड़ी नेवल एक्सरसाइज करने जा रहे हैं। यह 29 जून से शुरू होकर 4 अगस्त तक चलेगी। अमेरिका के होनोलूलू और सैन डियागो में इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस ड्रिल का बहुत सीधा सा मकसद चीन को यह दिखाना है कि साउथ चाइना सी समेत दुनिया के किसी भी समुद्री क्षेत्र में उसकी दादागिरी नहीं चलेगी। यह एक्सरसाइज दो साल में एक बार होती है। 2020 में कोविड-19 के चलते आखिरी वक्त में इसे रद्द कर दिया गया था। इस एक्सरसाइज को 'रिम ऑफ पेसिफिक एक्सरसाइज 2022 नाम दिया गया है। क्वॉड में शामिल चारों देश यानी भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ड्रिल में शामिल होंगे। पांच वो देश भी एक्सरसाइज का हिस्सा बनेंगे, जिनका साउथ चाइना सी, यानी दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ सीधा टकराव चल रहा है। लिहाजा, यह मानने में कोई दिक्कत नहीं कि चीन को लेकर कई देशों ने अब मुकाबला करने का मन बना लिया है। अमेरिका इन देशों की सीधी मदद कर रहा है। यह एक्सरसाइज इसलिए भी अहम हो जाती है, क्योंकि हाल ही में चीन ने ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा से करीब 2 हजार किलोमीटर दूर सोलोमन आईलैंड्स की सरकार के साथ एक सीक्रेट डील की है। इससे ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया। चूंकि, ऑस्ट्रेलिया क्वॉड का हिस्सा है, इसलिए भी इस एक्सरसाइज की अहमियत ज्यादा हो जाती है। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में होने वाली इस युद्धाभ्यास में कैरियर स्ट्राइक ग्रुप, एंटी सबमरीन वारफेयर एयरक्राफ्ट और अटैक सबमरीन को शामिल किया जाएगा। इस युद्धाभ्यास का मकसद पारस की खाड़ी के साथ मलक्का स्ट्रेट में चीनी वर्चस्व को हमेशा के लिए खत्म कर देना है। यूएई पहली बार भारत और फ्रांस के साथ मिलकर नौसेना युद्धाभ्यास करने वाला है। क्वाड प्लस देशों की नेवल एक्सरसाइज का उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में चीन पर हमला करने के लिए तैयार होना है। इस युद्धाभ्यास के जरिए सामुहिक तौर पर काम करने के लिए तैयार होने के अलावा, इंडो पैसिफिक में कभी भी कहीं भी लड़ाई करने के लिए तैयार होना है। इसके अलावा समुद्र में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन हो, इसकी भी रक्षा करना है। इस नेवल एक्सरसाइज का मकसद इंडो पैसिफिक क्षेत्र में गल्फ ऑफ एडेन की तरफ से और पैसिफिक को नॉर्थ की तरफ से यूएस के वेस्टर्न कोस्ट की तरफ से वर्चस्व कायम करना है और दुश्मनों को बताना है कि इंडो पैसिफिक क्षेत्र में हम किसी भी तरह से चीन को घेर सकते हैं। एक तरफ यूक्रेन में जारी जंग ने तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ा रखा है, वहीं दूसरी तरफ विस्तारवादी चीन अपने मंसूबों पर कहीं न कहीं पूरी कामयाबी पाने में लगा हुआ है। चीन ने पूरे इंडो पैसिफिक रीजन को परेशान कर रखा है। हालात ये हैं कि चीन की मनमानी ने पूरे इंडो पैसिफिक रीजन के देशों को युद्ध के साए में रहने पर मजबूर कर दिया है। चीन की इसी दादागिरी का जवाब देने के लिए ही अमेरिका में बड़े स्तर की तैयारी चल रही है। क्वॉड में शामिल चारों देश यानी भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ड्रिल में शामिल होंगे। पांच वो देश भी एक्सरसाइज का हिस्सा बनेंगे, जिनका साउथ चाइना सी, यानी दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ सीधा टकराव चल रहा है। लिहाजा, यह मानने में कोई दिक्कत नहीं कि चीन को लेकर कई देशों ने अब मुकाबला करने का मन बना लिया है। अमेरिका इन देशों की सीधी मदद कर रहा है। यह एक्सरसाइज इसलिए भी अहम हो जाती है, क्योंकि हाल ही में चीन ने ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा से करीब 2 हजार किलोमीटर दूर सोलोमन आईलैंड्स की सरकार के साथ एक सीक्रेट डील की है। इससे ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया। चूंकि, ऑस्ट्रेलिया क्वॉड का हिस्सा है, इसलिए भी इस एक्सरसाइज की अहमियत ज्यादा हो जाती है। नेवल एक्सरसाइज चीन के लिए बिल्कुल सीधा संदेश है कि साउथ चाइना सी में मौजूद छोटे देश अब उसका डटकर मुकाबला करने को तैयार हैं। इसकी वजह यह है कि इस एक्सरसाइज में फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया और सिंगापुर भी शामिल हैं। इन देशों की कुल समुद्री सीमा करीब 13 लाख स्क्वेयर किलोमीटर है। एक और अहम बात यह है कि क्वॉड में शामिल चारों देश अब तेजी से मिलिट्री कोऑपरेशन बढ़ा रहे हैं। हालांकि, शुरुआत में इन देशों का मकसद डायरेक्ट मिलिट्री कोऑपरेशन नहीं था।

क्या कश्मीरी पंडितों के पलायन में हिन्दू-- मुस्लिम बहस जिम्मेदार नहीं हैं ?

(प्रासंगिक टिपण्णी) शासन तंत्र में यह एक पाठ सिखाया जाता हैं की कोई बड़ी समस्या हो तो उसी समय कोई दूसरी समस्या खड़ी कर दो जिससे जनता का मन मुख्य समस्या के प्रति गौण हो जाता हैं। आजकल खुदाई का दौर चल रहा हैं ,चाहे ज्ञान वापी ,अजमेर की दरगाह ,मथुरा की खुदाई और भविष्य में कोई नया शिगूफा आ सकता हैं कोई नई बात नहीं।

कश्मीर की समस्या बहुत बड़ी समस्या नहीं हैं कारण वहाँ सरकार ने चुनाव कराये। चुनाव में जीत हुई जिसका श्रेय पार्टी को हैं और उसके लिए क़ुरबानी दे रहे कार्यरत कर्मचारी। वहाँ पदस्थ कर्मचारी ,अधिकारी शेल्टर होम में कैदी जैसे रहते हैं और सेवा करने जाने पर कब कौन मौत के घाट उतार दिया जाय कोई नहीं जानता। वहाँ पर शासन और प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा से सुरक्षित हैं। शासन ने यह कह दिया हैं की पदस्थ कर्मचारियों का स्थानांतरण अन्यत्र नहीं होगा। जहा उनकी पदस्थापना हैं वहाँ कोई सुरक्षा नहीं हैं। हाँ उनका बीमा हैं जो मरणोपरांत उनके आश्रितों को मिल सकेगा। उनके जिन्दा रहने पर कोई लाभ नहीं।

वैसे वहाँ मुस्लिम बहुत क्षेत्र होने से वहाँ के मुस्लिम पाकिस्तान के जेहादियों /आतंकवादियों से ऐसे घुले मिले रहते हैं जैसे दूध और पानी। कोई उनको पृथक नहीं कर सकता। कारण उनको स्थानीय नागरिकों से सुरक्षा और संरक्षण प्राप्त हैं। उनको मूल उद्देश्य एक हैं काफिरों का सफाया कर एक समुदाय का शासन हो। हमारी खुपिया तंत्र जब जागरूक होता हैं जब घटनाएं घटती हैं। उनको जानकारी मिलने के बाद भी वे बेफिक्र रहते हैं कारण घटना उनके साथ नहीं होना हैं। नागरिकों के साथ होना हैं ,नागरिक मरने के लिया बना हैं ,मर गए तो एक संख्या हो जाती हैं। नौकर ,जनता उनकी ताजपोशी के लिए बने हैं।

वर्तमान सरकार भूतकाल के रहस्यों को उजागर करने में व्यस्त हैं ,होना भी चाहिए कारण मेरे बाप ने घी खाया था और अब मेरे हाथ में खुशबु आ रही हैं। इतिहास हमेशा विवाद का विषय रहा हैं और रहेगा। वर्तमान का फल बहुत बनता हैं और भविष्य की नीव खड़ी होती हैं। आज खुदाई से ताजमहल ,कुतुबमीनार और अन्य जगहों में विवादित स्थान मिलेंगे ही कारण तत्समय जिसकी सत्ता रही उसका बोलबाला रहा होगा ही। खुदाई से विवाद होगा या होता हैं जिससे सरकार देश में व्याप्त परेशानियों से मुक्त हो जाती हैं। जैसे आजकल मंहगाई कोई विषय नहीं हैं चर्चा का कारण वित्त मंत्री ने कहा था की मैं प्याज नहीं खाती हूँ। प्रधान नौकर कहते हैं में गुजराती भोजन करता हूँ जिसमे महगाई का असर नहीं दिखाई देती। कारण और यह हैं की कभी झोला लेकर बाजार जाए और खुद से भुगतान करना पड़े। खुद ईमानदार होने से क्या फायदा ?अभी सत्ता में हैं तो सब अनियमितताएं छुपी हैं। और खुद अलीबाबा बनकर चालीस चोरों को लूट खसोट के लिए रखा हैं।

एक खुदाई से यदि कुछ मिलता हैं तो अन्य विकास के नाम पर वे ही चिन्ह मिटाये जाते हैं। क्या इससे महगाई ,बेरोजगारी दूर होगी हमें विकास के नाम पर हमारी जेब पर जो बोझ पड़ रहा हैं उसका क्या इलाज़ हैं ?क्या नई नौकरियां आयी ?जो थी वे भी गयी। कुछ व्यापार चल रहे हैं तो कुछ मरणासन्न हो रहे हैं। क्या विकास जन सामान्य के पेट पर लात मारकर मिलेगा?

क्या सेंट्रल विस्टा के नाम पर कितनी पुरानी बिल्डिंग जमींदोज़ की गयी ?

प्रधान नौकर भारतीय इतिहास के ऐसे शिलालेख बनने के लिए कटिबद्ध हैं की न ऐसा हुए और न होंगे पर भूतपूर्व लोगों को कौन ,कितना याद करता हैं ?

कश्मीर पंडितों के पलायन के लिए मीडिया और कुछ दोनों पक्षों के कट्टरपथिंयों के कारण उत्तेजक चर्चाएं और बयानबाज़ी के कारण हैं। सरकार अपनी पूरी ऊर्जा विपक्ष को नेस्तनाबूद करने लगी हैं और एकाधिकार पाना चाहती हैं। पर इसमें सफलता जरूर मिल सकती हैं पर जन प्रिय नहीं माने जाएंगे। आतंकवादियों के ऊपर कार्यवाही होना चाहिए। आँकड़ें बाजी से खोये हुए लोगों को वापिस उनके प्रियजनों को न दिला पाएंगे। उनके दुखों को समझे। पर सत्ता हृदयहीन होती हैं ,उनको जनता के मरने से कोई फर्क नहीं पड़ता। सत्ता अपने निजियां को भी निपटाने में असहज नहीं होती। जातिवाद का जहर देश के खून में कब तक और कितना घोला जायेगा।

पलायन यह असाध्य रोग हैं जिसका कोई इलाज़ नहीं हैं। सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए कोई न कोई शिगूफा छोड़ा जायेगा। निर्णय कुछ नहीं होगा। जब तक कारणों को दूर नहीं किया जाएगा तब तक कोई नतीजा नहीं निकलेगा। (लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

पृथ्वी के अस्तित्व का आधार है पर्यावरण

प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी,जल,अग्नि,वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीं प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। विकास और आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना ठीक नहीं है। हम प्रकृति से दूर जा रहे हैं। झरना,नदी, झील और जंगल देखने के लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ता है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का खामियाजा हम समय-समय पर भुगत भी रहे हैं। कभी बाढ़ आ जाती है तो कभी बादल फटते हैं। कहीं धरती में पानी सूख रहा है तो कहीं की जमीन आग उगल रही है। ये सब क्लाइमेट चेंज की वजह से ही हो रहा है। पेडों के कटने से हवा इतनी दूषित हो गई है कि शहरों में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। ग्लोबल वार्मिंग से गर्मी अपनी चरम सीमा पर है। अत्यधिक गर्मी का पड़ना डायरिया, ब्रेन स्ट्रोक आदि बीमारियों का कारण बनता है। शहरों की लाइफ तो पर्यावरण और प्रकृति से बहुत दूर हो गई है। यहां रहने वाले लोगों को ऐसी बीमारियां हो रही हैं जो पहले न कभी सुनी और न कभी लोगों ने देखी। इन सबकी वजह कहीं न कहीं हमारी खराब होती दैनिक दिनचर्या भी है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पूरी दुनिया में पर्यावरण को बचाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाता है। इसीलिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की थीम है - 'ओनली वन अर्थ ' यानी केवल एक पृथ्वी रखी गई है। जिसका मतलब है कि 'प्रकृति के साथ सदभाव में रहना' जरुरी है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है। क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। कहने का तात्पर्य यह है की पृथ्वी का संरक्षण तभी संभव है जब हमारा पर्यावरण शुद्ध हो। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ है। शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। मृदा संरक्षण में जलवायु परिवर्तन की भूमिका अहम् होती है। अतएव समाज को प्रकृति से जोड़ने और समाज को प्रकृति के करीब लाने की आवश्यकता है। मृदा संरक्षण और प्रकृति के बारे में समुदायों को जागरूक होना होगा। पृथ्वी की सुरक्षा का घेरा है वायुमंडल। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है। क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का सम्बन्ध धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए पृथ्वी का वातावरण सूर्य की कुछ ऊर्जा को ग्रहण करता है,उसे ग्रीन हाउस इफेक्ट कहते हैं। पृथ्वी के चारों ओर ग्रीन हाउस गैसों की एक परत होती है। इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड,मीथेन,नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं। ये गैसें सूर्य की ऊर्जा का शोषण करके पृथ्वी की सतह को गर्म कर देती है इससे पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन हो रहा है। गर्मी की ॠतु लम्बी अवधि की और सर्दी की ॠतु छोटी अवधि की होती जा रही है। पर्यावरण की जागरूकता,जलवायु परिवर्तन की मार से बचा सकती है। अतएव हम कह सकते हैं कि शुद्ध पर्यावरण ही पृथ्वी के अस्तित्व का आधार है।

वरिष्ठ स्तम्भकार एवं विचारक असिस्टेंट प्रोफेसर (लेखक - डॉ. शंकर सुवन सिंह/ईएमएस)

भारतीयों पर बढ़ते हमले

अमेरिका में इस समय लगभग 45 लाख भारतीय रह रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले कुछ ही वर्षों में भारतीय मूल का कोई व्यक्ति अमेरिका का राष्ट्रपति बन जाए। कमला हैरिस अभी उप-राष्ट्रपति तो हैं ही। इस समय अमेरिका में सबसे संपन्न कोई विदेशी मूल के लोग हैं तो वे भारतीय ही हैं। वैसे गोरे लोग भी कोई मूल अमेरिकी थोड़े ही हैं। वे भी भारतीयों की तरह यूरोप से आकर अमेरिका में बस गए हैं लेकिन उनका आगमन तीन-चार सौ साल पहले से शुरु हुआ है तो वे यह मानने लगे हैं कि वे गोरे लोग तो मूल अमेरिकी ही हैं। बाकी सब भारतीय, अफ्रीकी, चीनी, जापानी, मेक्सिकन आदि लोग विदेशी हैं। जो एशियाई लोग पिछले सौ-डेढ़ सौ साल से अमेरिका में पैदा हुए और वहीं रह रहे हैं, उन्हें भी गोरे लोग अपनी तरह अमेरिकी नहीं मानते। इसी का नतीजा है कि कई दशकों तक भारतीयों का अमेरिका के विभिन्न व्यवसायों में सर्वोच्च पदों तक पहुंचना असंभव लगता था लेकिन अब अमेरिका की बड़ी से बड़ी कंपनियों, प्रयोगशालाओं, शिक्षा और शोध संस्थाओं तथा यहां तक कि उसकी फौज में भी आप भारतीयों को उच्च पदों पर देख सकते हैं। भारतीयों की योग्यता, कार्यकुशलता और परिश्रम अमेरिकियों को मजबूर कर देते हैं कि उनकी नियुक्ति उन्हें उच्च पदों पर करनी होती है। भारतीयों की जीवन-पद्धति देखकर भी औसत अमेरिकी चकित रह जाता है। लेकिन भारतीयों की ये सब विशेषताएं अमेरिकी गोरों के दिल में जलन भी पैदा करती हैं। संपन्नता के लिहाज से अमेरिका में भारतीय मूल के लोग सबसे अधिक संपन्न वर्ग में आते हैं। उनके पास एक से एक बढ़िया मकान, कीमती कारें और एश्वर्य का अन्य सामान आम अमेरिकियों के मुकाबले ज्यादा ही होता है। इसी का नतीजा है कि आजकल भारतीयों के विरुद्ध अमेरिका में अपराधों की भरमार हो गई है। इन्हें अमेरिका में घृणाजन्य अपराध (हेट क्राइम) कहा जाता है। 2020 के मुकाबले 2021 में भारतीयों के विरुद्ध ऐसे अपराध 300 प्रतिशत याने तीन गुना बढ़ गए हैं। कुछ गोरे लोग भारतीयों को देखते ही उन पर गोली चला देते हैं। सड़कों और दुकानों पर उन्हें देखते ही गालियां बकने लगते हैं। भारतीयों के विरुद्ध बिना किसी कारण, बिना किसी उत्तेजना के इस तरह के अपराध इसीलिए होते हैं कि लोगों के दिल पहले से ही घृणा से लबालब भरे होते हैं। जब से डोनाल्ड ट्रंप राजनीति में आए हैं, उन्होंने एशियाई, अफ्रीकी और लातीनी लोगों के खिलाफ इस घृणा को अधिक प्रबल बनाया है। ट्रंप के इस उग्र वंशवाद का दुष्परिणाम यह भी हुआ है कि अमेरिका के कुछ प्रभावशाली टीवी चैनल इस घृणाजन्य अपराध को बढ़ावा देते रहते हैं। ज्यों ही बाइडन-प्रशासन वीजा वगैरह में ज़रा-सी ढील देता है, त्यों ही रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता शोर मचाना शुरु कर देते हैं कि अमेरिका में गोरे लोग शीघ्र ही अल्पसंख्यक बन जाएंगे और उनका जीना हराम हो जाएगा। अमेरिका में कोरोना को फैलाने के लिए भी एशियाई लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। जो लोग भारतीयों के विरुद्ध घृणा फैला रहे हैं, क्या उन्हें पता है कि यदि आज सारे भारतीय मूल के लोग अमेरिका से बाहर निकल आएं तो अमेरिका की हवा खिसक जाएगी? ये भारतीय लोग न सिर्फ अमेरिका की संपन्नता बढ़ा रहे हैं बल्कि उसे श्रेष्ठ जीवन-पद्धति से भी उपकृत कर रहे हैं। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ ईएमएस)

तालिबान राज में अल-कायदा 'महफूज', यूएन ने किया आगाह- कर सकता है लंबी दूरी के हमले

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में काबिज तालिबान बोलता भले ही कुछ पर उसका एजेंडा आज भी चरमपंथी ही है। वह कहता है कि अफगान धरती का इस्तेमाल किसी दूसरे मुल्के के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट बताती है कि तालिबान के ये वादे सिर्फ हवा-हवाई हैं। तालिबान राज में आतंकवादी संगठन अल-कायदा अफगानिस्तान में 'महफूज' है और 'खुली छूट' के साथ रह रहा है जिससे भविष्य में वह लंबी दूरी के हमलों को अंजाम दे सकता है। सदस्य देशों की ओर से मुहैया कराई गई खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला दावा किया गया है।

यह रिपोर्ट चिंताओं को बढ़ाती हैं कि पिछले साल अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों का अड्डा बन सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के आलोचक सैनिकों की वापसी के उनके फैसले को अफगानिस्तान की बर्बादी का कारण मानते हैं। अब इस रिपोर्ट के आधार वे बाइडन को एक बार फिर घेर सकते हैं जो तालिबान और अल-कायदा के बीच 'करीबी संबंधों' के संकेत देती है। हालांकि अफगानिस्तान में बड़ी संख्या में विदेशी चरमपंथियों के पहुंचने की जानकारी अभी तक नहीं मिली है। बीते कुछ साल में अल-कायदा इस्लामिक स्टेट की हिंसा के पीछे छिप गया है। लेकिन अभी भी यह दक्षिण एशिया, मिडिल ईस्ट और साहेल के कुछ हिस्सों में मौजूद है और एक संभावित खतरा बना हुआ है। अल-कायदा के कई सीनियर लीडर अफगानिस्तान में मौजूद हैं और इसके सदस्य कई देशों में छिपे हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक तालिबान अल-कायदा पर लगाम लगाने की कोशिश कर रहा है लेकिन चिंता की बात यह है कि ये प्रयास लंबे समय पर नहीं चल पाएंगे। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा है कि अज्ञात संख्या में अल-कायदा सदस्य काबुल के पूर्व राजनयिक आवास में रह रहे हैं जहां वे विदेश मंत्रालय के साथ बैठकें भी कर सकते हैं। हालांकि लेखकों ने इस जानकारी की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अल-कायदा के सरगना अयमान अल-जवाहिरी के बयानों और बातचीत के अचानक बढ़ने से पता चलता है कि वह 'अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से पहले की तुलना में अब अधिक प्रभावी तरीके से नेतृत्व करने में सक्षम हो सकता है'। संयुक्त राष्ट्र की पिछली रिपोर्ट में कहा गया था कि जवाहिरी गंभीर रूप से बीमार है। वहीं कुछ अधिकारियों के मुताबिक 70 साल के आतंकी की मौत हो चुकी है।

आज का इतिहास 6 जून

1660 स्वीडन और डेनमार्क का युद्ध कोपनहेगन संधि के साथ समाप्त हुआ.

1683 आक्सफोर्ड, इंग्लैंड में पहला संग्रहालय जनता के लिए खोला गया.

1891 कनाडा के पहले प्रधानमंत्री सर जान ए.मैकडोनाल्ड का निधन हुआ.

1972 रोडेशिया की एक कोयला खान दुर्घटना में 427 व्यक्ति मारे गये.

1982 कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डी. देवराज अर्स का निधन.

1984 स्वर्ण मंदिर तथा अन्य धार्मिक स्थानों से सेना ने आपरेशन ब्लू स्टार के अधीन आतंकवादियों को जबरदस्ती बाहर निकाला.

1994 चीनी विमान दुर्घटनाग्रस्त 160 व्यक्ति मारे गये.

1997 संगीतकार मोहन उप्रेती का निधन.

1998 भारत और पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों की राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद् ने निंदा की.

1999 भारत ने पाकिस्तान से युद्ध की आशंका से इंकार किया. कारगिल में घुसपैठियों पर हवाई हमले फिर से शुरु.

दैनिक पंचांग

06 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.54 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.08 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.24 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.36 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	14.47 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.01 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.17 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.22 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	23.09 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	00.42 बजे से
		मेष	02.12 बजे से
		वृष	03.52 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 157 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 06.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 02.26 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 04.52 बजे प्रात: को समाप्त।
करण तैतिल 06.40 बजे तदनन्तर गर 19.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871271
जूलियन दिन 2459736.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्काद
तारीख 06

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7308

बाएँ से दाएँ

1.नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3.तहजीब,शिष्टता-3
5.पिता के पिता-2
6.स्मृति-2
8.बारिश,बरखा-4
11.शांति,सन्नाटा-3
13.गिरवी रखी वस्तु-3
14.सूक्ष्म कण -2
15.बारबाला,मधुबाला
16.समझौता-3
18.बहने का भाव-3
20.बारिश का महीना-3
22.मां,मम्मी,मदर-2
24.श्रवणेंद्रिय-2
25.अंधकार,अंधेरा-3
26.अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1.नाज,नखरा,चौंचला-2
2.भाग्य,किस्मत-3
3.अचानक,अकस्मात -3
4.देह,बदन-2
5.बिजली,विद्युत रश्मि-3
7.दबाना,कुचलना-3
9.घोड़ागाड़ी-3
10.जुगत,युक्ति-4
12.कारण-3
16.कृष्ण का गरीब मित्र-3
17.पैंतरा,शर्त-2
19.भार-3
20.बहादुरी-3
21.नेत्र,आंख-3
23.पितामह-2
24.समयगति-2

शब्द पहेली -7307 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

स्वियातेक ने गाफ को हराकर फ्रेंच ओपन जीता

पेरिस (ईएमएस)। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक ने महिला एकल के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-1, 6-3 से हराया। इस मुकाबले में इगा ने पहले सेट से ही गाफ पर बढ़त हासिल करने के बाद उसे वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। इससे पहले सेमीफाइनल मैच में स्वियातेक ने कसातकिना को 6-2, 6-1 से जबकि कोको ने ट्रेविसन को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से हराया था। यह मैच एक घंटा और 28 मिनट तक चला था।स्वियातेक दूसरी बार फ्रेंच ओपन जीती हैं। स्वियातेक ने इससे पहले साल 2020 में अमेरिका की सोफिया केनिन को 6-4, 6-1 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन जीता था।

रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मुम्बई और उत्तराखंड का मुकाबला आज

बेंगलुरू (ईएमएस)। मुंबई की टीम का सोमवार को उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल में मुकाबला होगा। 34 बार की खिताब विजेता मुम्बई को इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है पर इस बार मुकाबला आसान नहीं है क्योंकि मुंबई इस सत्र में कड़े संघर्ष के बाद क्वार्टर फाइनल तक का पहुंची है। मुंबई के पास कप्तान पृथ्वी शॉ के अलावा कई अन्य अच्छे खिलाड़ी हैं। पृथ्वी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को धवस्त करने में सक्षम हैं। वहीं उत्तराखंड की टीम में अनुभव की कमी है जिसका लाभ भी मुम्बई को मिलेगा।

मुंबई के पास अरमान जाफर, भूपेन लालवानी और हार्दिक तमोरे जैसे युवा खिलाड़ी हैं। पृथ्वी के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। सरफराज के छोटे भाई मुशीर भी इस बार टीम में हैं। सरफराज ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

इसके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आदित्य तारे और स्पिन आलराउंडर शम्स मुलानी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड की टीम भी अपनी ओर से पूरे प्रयास करेगी।

दूसरी ओर एक अन्य क्वार्टर फाइनल में पंजाब का मुकाबला मध्य प्रदेश से होगा।

हेनी ने केम्बोसोस को हराकर डब्ल्यूबीसी विश्व लाइटवेट मुक्केबाजी खिताब बरकरार रखा

मेलबर्न (ईएमएस)। अमरीका के डेविड हेनी ने डब्ल्यूबीसी विश्व लाइटवेट मुक्केबाजी खिताब बरकरार रखा है। हेनी ने रविवार को एक ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज केम्बोसोस को हराकर यह मुक्केबाजी खिताब लगातार पांचवी बार अपने पास ही बनाये रखा। हेनी ने शुरुआती चार में से तीन दौर जीते और 12 दौर के मुकाबले के आधा समाप्त होने तक ही उन्होंने बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। इस दौरान केम्बोसोस के पास हेनी के प्रहारों का कोई जवाब नहीं था।

इस मुकाबले में जजों ने हेनी के पक्ष में अंकों के आधार पर आम सहमति से 116-112, 116-112 और 118-110 से फैसला दिया। इस भिड़ंत में मिली स्पष्ट जीत के साथ ही हेनी ने साबित किया है कि लाइटवेट में वह अभी भी सबसे बेहतर मुक्केबाज बने हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस मुक्केबाज ने अब तक अपने सभी 28 मुकाबले जीते हैं जिसमें 15 नॉकआउट मुकाबले रहे हैं। जीत के बाद हेनी ने जमकर जश्न मनाया और केम्बोसोस की आलोचना करते हुए उसे सही चैम्पियन खिलाड़ी नहीं माना है।

वेस्टइंडीज ने नीदरलैंड को तीसरे एकदिवसीय में भी हराकर 3-0 से क्लीन स्वीप किया

एम्सटर्डम (ईएमएस)। वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी नीदरलैंड को 20 रन से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। नये कप्तान निकोलस पूरन ने इसी के साथ ही जीत के साथ शुरुआत की है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए मेयर्स और शेमराह ब्रुक्स के शतकों की सहयता से 5 विकेट पर 308 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम के बल्लेबाजों ने भी जवाब में जुझारु प्रदर्शन करते हुए 288 रन बनाए पर वह कुछ रनों के अंतर से जीत हासिल नहीं कर पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शेमरान लुईस ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि अकील हुसैन को 2 विकेट मिले।

वेस्टइंडीज की पारी के दौरान शाई होप 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद काइल मेयर्स और शेमराह ब्रुक्स ने दूसरे विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी कर स्कोर 250 रन तक पहुंचाया। मेयर्स ने 106 गेंद पर 120 रन बनाए। वहीं ब्रुक्स 115 गेंद पर 101 रन बनाकर अंत तक आउट नहीं हुए। बोनर 16 गेंद पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे। मेयर्स और ब्रुक्स दोनों ने ही एकदिवसीय में अपना पहला शतक लगाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने भी अच्छी शुरुआत की। विक्रमजीत सिंह और मैक्स डॉड ने पहले विकेट के लिए 98 रन बनाये। विक्रमजीत 55 गेंद पर 54 रन बनाकर काइल मेयर्स का शिकार बने। वहीं नंबर-3 पर उतरे मुसा अहमद ने भी 42 रन बनाए। टीम का स्कोर एक समय 2 विकेट पर 206 रन पहुंच गया था और टीम के पास जीत का अच्छा मौका था पर इसके बाद के बल्लेबाज अपने विकेट संभाल नहीं सके और 49.5 ओवर में पूरी टीम 288 रनों पर सिमट गयी।

इंग्लैंड टीम पहला टेस्ट जीतने के करीब पहुंची

लॉर्ड्स (ईएमएस)। इंग्लैंड की टीम ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड पर शिकंजा कस दिया है। जीत के लिए मिले 277 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक पांच विकेट पर 216 रन बना लिए थे। अनुभवी बल्लेबाजी जो रूट 77 रन जबकि बेन फोक्स 09 रन बनाकर नाबाद थे। इस प्रकार उसे जीत के लिए अभी केवल 61 रनों की जरुरत है और उसके पास पांच विकेट हैं। मैच में अभी दो दिनों का खेल होना है ऐसे में कीवी टीम के लिए यह मैच ड्रॉ कराना भी संभव नहीं है। या तो उसके विकेट लेने होंगे या फिर हार का सामना करना होगा। इस मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 132 जबकि दूसरी पारी में 285 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 141 रन बनाकर 9 रन की बढ़त हासिल की थी। इस सीरीज के पहले रुट ने कप्तानी से इस्तीफ दे दिया था। ऐसे में टीम इस सीरीज में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतरी है। पहली बार टेस्ट की कप्तानी दी गई है। वहीं टीम को ब्रेंडन मैक्कुलम के रुप में नया कोच मिला है। मैक्कुलम न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान हैं।

ऐसे में स्टोक्स जीत के साथ ही सीरीज की शुरुआत चाहेंगे। कप्तानी करते हुए स्टोक्स ने पहली पारी में एक जबकि दूसरी पारी में 54 रन बनाए। इस दौरान रूट के साथ उनकी 90 रन की साझेदारी भी हुई। वहीं इस मैच में अगर न्यूजीलैंड टीम को पासा पलटना है तो उसे चौथे दिन सुबह ही विकेट लेने होंगे।

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम को चाहिये कार्तिक जैसा विकेटकीपर : शास्त्री

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने विकेटकीपर बल्लेबाजी दिनेश कार्तिक की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आगामी विश्वकप में वह अहम भूमिका निभा सकते हैं। आईपीएल में कार्तिक ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पांच मैचों की यह सीरीज 9 जून से शुरू हो रही है। शास्त्री ने कहा कि हमें महेन्द्र सिंह धोनी की जगह भरने वाला विकेटकीपर चाहिए, जो फिनिशर के तौर भी काम कर सके। ऐसे में मेरा मानना है कि कार्तिक सबसे बेहतर रहेंगे। आईपीएल में कार्तिक ने आरसीबी की ओर से फिनिशर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183 के ऊपर रहा था।

शास्त्री ने कहा, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक के दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अच्छा अवसर है। अगर उन्हें सीरीज में उतारा जाता है, तो वह टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके पास लंबा अनुभव है जिसका भी उन्हें लाभ मिलेगा। आपको टीम के नजरिये से देखना होगा कि वे क्या तलाश रहे हैं। क्या वे ऐसा विकेटकीपर चाहते हैं, जो शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करे या वे ऐसा कीपर चाहते हैं जो फिनिशर हो। मैं दूसरे विकल्प के साथ हूं। आपको एक कीपर की जरूरत है, जो धोनी की भूमिका निभाए। आप किसी ऐसे खिलाड़ी को चाहते हैं, जो एक खेल को बनाए रख सके और खत्म करे। धोनी के संन्यास लेने के बाद अभी टीम के पास बहुत अधिक फिनिशर नहीं हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि कार्तिक के पास अच्छा अवसर है। कार्तिक को यदि टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलती है, तो वे 2010 के बाद ऑस्ट्रेलिया में टी20 के मुकाबले खेलेंगे।

शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह बाजार की चाल आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा तय करेगी

- वैश्विक रुझान, विदेशी कोषों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह अमेरिका में अप्रैल में उपभोक्ता व्यय बढ़ने और बढ़ती महंगाई की रफ्तार धीमी पड़ने से विदेशी बाजारों में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से डेढ़ प्रतिशत से अधिक की बढ़त पर रहे घरेलू शेयर बाजार की चाल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक रुझान, विदेशी कोषों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार में हाल में सुधार दिखा है, लेकिन यह अभी मजबूत नजर नहीं आ रहा है। इसकी वजह बढ़ती मुद्रास्फीति और भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक स्तर पर नीतिगत रुख को सख्त किया जाना है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा, वैश्विक स्तर पर वृहद आंकड़े और कच्चे तेल के दाम इस सप्ताह बाजार की चाल तय करेंगे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा आठ जून को होगी। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है, ऐसे में केंद्रीय बैंक की 'टिप्पणी' क्या रहती है, उसे देखना होगा। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े 10 जून को कारोबार बंद होने के बाद आएंगे। जानकारों का कहना है ?कि वैश्विक मोर्चे पर गुरुवार को अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े और शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े आने हैं। वैश्विक बाजारों की दृष्टि से ये काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम अभी ऊंचे हैं। यदि इनमें कमी नहीं आती, तो इससे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अब भी बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि, अब इसकी रफ्तार कुछ कम हुई है। यदि कच्चे तेल के दाम में तेजी से रुपया कमजोर होता है, तो उनकी बिकवाली और बढ़ सकती है।

बाजार के जानकारों ने कहा ?कि तिमाही नतीजों का सीजन पीछे छूट चुका है। ऐसे में अब सभी का ध्यान मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगा। यह बैठक 6-8 जून तक होनी है। बाजार पहले ही नीतिगत दरों में एक और वृद्धि के लिए तैयार है। सभी का ध्यान मानसून के अनुकूल रहने के पूर्वानुमान के बीच रिजर्व बैंक की टिप्पणी पर रहेगा। न्होंने कहा कि इसके अलावा वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन और कच्चे तेल के दाम पर भी सभी की निगाह रहेगी। वृहद आर्थिक मोर्चे पर बाजार भागीदारों की निगाह 10 जून को आने वाले आईआईपी के आंकड़ों पर रहेगी। इस सप्ताह मुद्रास्फीति पर सभी की निगाह रहेगी। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के अलावा सप्ताह के दौरान चीन और अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े भी आने हैं। इस सप्ताह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। निवेशकों की निगाह मुख्य रूप से इस पर रहेगी।

कनाडा में बंदूकों की खरीद-बिक्री पर लगेगी लगाम, पीएम जस्टिन टूडो ने पेश किया विधेयक

ओटावा (ईएमएस)। हाल ही में अमेरिका में गोलीबारी की कई घटनाएं हुई हैं। इसे लेकर अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के कई देशों की सरकारों की चिंता भी बढ़ गई हैं। कनाडा सरकार बढ़ते गन कल्चर पर लगाम लगाने के लिए कमर कस चुकी है। इस संबंध में बीते सोमवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने हैंडगन की खरीद, बिक्री और उसके आयात पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक पेश किया है। इस विधेयक को कनाडा संसद से पास होना बाकी है, जहां सत्ताधारी दल के पास सीटें कम हैं।

विधेयक पास हो जाने के बाद कनाडा में हैंडगन (बंदूक) खरीदना, बेचना, ट्रांसफर करना या आयात करना संभव नहीं होगा। कनाडा के पीएम जस्टिन टूडो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी सरकार हैंडगन पर कंट्रोल करने के लिए नया कानून ला रही है। सरकार हैंडगन के बाजार को सीमित करने जा रही है। जस्टिन टूडो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह कबूल किया कि इन दिनों गोलीबारी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है।

जस्टिन टूडो ने यह भी कहा कि गन कल्चर एक जटिल समस्या है, लेकिन इस पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा हमारे समाज में जितनी कम बंदूके होंगी, उतने ही सुरक्षित हम होंगे। लोग बिना किसी डर के सुपरमार्केट, स्कूल, पार्क आदि जगहों पर जाएं, यही हमारी कोशिश होनी चाहिए। अमेरिका की तरह कनाडा में भी गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। अप्रैल 2020 में नोवा स्कोटिया इलाके में सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें 23 लोगों की मौत हो गई थी। इसके कुछ दिनों बाद सरकार ने 1,500 प्रकार के मिलिट्री ग्रेड हथियारों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

कनाडा सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में 2009 के बाद बंदूक तानने की घटनाओं में तीन गुना वृद्धि हुई है, जबकि मारने या घायल करने के इरादे से बंदूक चलाने की घटना में 5 गुना बढ़ोतरी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों में हुए अपराध की दो-तिहाई घटनाओं में हैंगडन शामिल थी। कनाडा सरकार में मंत्री मार्को मेंडिसिनो के अनुसार, देश में इस समय करीब 1 मिलियन हैंडगन हैं। सरकार के उठाए गए कदमों की वजह से पिछले एक दशक में बंदूकों की संख्या में काफी कमी आई है।

बांग्लादेश में कंटेनर डिपो में आग लगने से 33 लोगों की मौत, 450 से अधिक लोग घायल

ढाका (ईएमएस)। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में एक निजी कंटेनर डिपो में शनिवार रात भीषण आग लगने से कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई, जबकि 450 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि चटगांव के सीताकुंड उपजिला में कदमरासुल क्षेत्र स्थित बीएम कंटेनर डिपो में शनिवार रात आग लग गई। आग और विस्फोटों में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई है तथा पुलिस एवं दमकल कर्मियों समेत सैकड़ों लोग झुलस गए हैं। पुलिस ने कहा कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल (सीएमसीएच) पुलिस चौकी के सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) अलाउद्दीन तालुकदार ने बताया कि सुबह 10:15 बजे तक 33 लोगों की मौत हो चुकी है। शवों को मुर्दाघर में रख दिया गया है और राहत-बचाव कार्य किया जा रहा है। रेड क्रिसेंट यूथ चटगांव में स्वास्थ्य और सेवा विभाग के प्रमुख इस्ताकुल इस्लाम ने बताया इस घटना में 450 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 350 सीएमसीएच में हैं। अन्य अस्पतालों में भी मौतें हुई हैं। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

दमकल सेवा सूत्रों के अनुसार, इस दौरान दमकल विभाग के भी तीन कर्मियों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान का अभी पता नहीं चल सका है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास की इमारतों की खिड़कियां क्षतिग्रस्त हो गईं और 4 किमी दूर तक धमाके को सुना गया। यह कस्बा देश के दूसरे सबसे बड़े शहर चटगांव से 40 किमी दूर स्थित है। शहर का एक अस्पताल घायलों से पूरी तरह भर चुका है। बाकी लोगों को अन्य स्थानों पर भर्ती कराया गया है। आग लगने के कई घंटों बाद रविवार सुबह भी आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सब-इंस्पेक्टर (एसआई) नूरुल आलम ने बताया कि रात करीब नौ बजे कंटेनर डिपो में आग लग गई। जैसे ही फायर सर्विस यूनिट ने इसे बुझाने का प्रयास किया, एक धमाका हुआ और फिर आग बहुत तेजी से फैल गई। एसआई नुरुल आलम ने बताया कि शुरू में आशंका जताई जा रही थी कि कंटेनर डिपो में केमिकल के कारण आग लगी है। डिपो से उठता धुआं। उधर, पुलिस, दमकल सेवा और स्थानीय सूत्रों ने कहा कि आग बीएम कंटेनर डिपो के लोडिंग प्वाइंट के अंदर रात करीब नौ बजे लगी। रात करीब 11:45 बजे, एक बड़ा धमाका हुआ और एक कंटेनर में रसायनों की मौजूदगी के कारण आग एक कंटेनर से दूसरे कंटेनर में फैल गई। चटगांव अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के सहायक निदेशक मोहम्मद फारुक हुसैन सिकदर ने कहा कि दमकल की करीब 19 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बताया कि मौके पर छह एंबुलेंस भी मौजूद है। डिपो के डायरेक्टर मुजीबुर रहमान ने बताया कि डिपो में करीब 600 लोग काम करते हैं।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में अक्सर आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं। पिछले साल देश के दक्षिण में एक नौका में आग लगने से कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई थी। पिछले साल ढाका के पास रूपगंज में एक फैक्ट्री में भी आग लग गई थी, जिसमें 52 लोगों की मौत हो गई थी। 2020 में एक तेल टैंक में ब्लास्ट के बाद तीन लोगों की जान चली गई थी।

मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में एक और वृद्धि करेगा रिजर्व बैंक : विशेषज्ञ

मुंबई (ईएमएस)। बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति में कमी के कोई संकेत नहीं दिखने के बीच बुधवार को अपनी आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों में एक और बढ़ोतरी कर सकता है। विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि गवर्नर शक्तिकांत दास पहले ही इसके संकेत दे चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने पिछले महीने बिना तय कार्यक्रम के हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो दर में 0.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थीं। ऐसी अटकलें हैं कि इस बार की समीक्षा में दरों में कम से कम 0.35 प्रतिशत की और बढ़ोतरी हो सकती है। विशेषज्ञ आने वाले महीनों में रेपो दर में और बढ़ोतरी का अनुमान जता रहे हैं। गवर्नर दास के नेतृत्व वाली एमपीसी की तीन दिन की बैठक सोमवार से शुरू होगी। बैठक के दौरान लिए गए फैसलों की घोषणा गवर्नर बुधवार को करेंगे।

खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में लगातार सातवें महीने बढ़ते हुए आठ साल के उच्चतम स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसकी मुख्य वजह यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते ईंधन सहित जिंस कीमतों में बढ़ोतरी है। थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति 13 महीने से दो अंक में बनी हुई है और अप्रैल में यह 15.08 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्चस्तर को छू गई। दास ने हाल ही में एक टीवी साक्षात्कार में कहा, 'रेपो दरों में कुछ बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी मैं नहीं बता पाऊंगा कि यह कितनी होगी।' बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने एमपीसी की बैठक पर कहा कि यह समीक्षा वृद्धि और मुद्रास्फीति पर केंद्रीय बैंक के विचारों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'रेपो दर में वृद्धि तो होगी, लेकिन यह 0.25-0.35 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, क्योंकि मई में हुई बैठक की टिप्पणियों में यह संकेत दिया गया था कि एमपीसी रेपो दर में बड़ी वृद्धि के पक्ष में नहीं थी।'

सरकार ने मुद्रास्फीति पर काबू के लिए पेट्रोल-डीजल पर शुल्क में कटौती, कुछ खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कमी और गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने सहित कई कदम उठाए हैं। बोफा सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई जून में रेपो दर में 0.40 प्रतिशत और अगस्त में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगा। कुछ बड़ी कंपनियों कार्यपालक अधिकारियों ने कहा कि रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए एक बार फिर रेपो दर में वृद्धि किए जाने की संभावना है। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि दरों में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होनी चाहिए, क्योंकि इससे रियल एस्टेट क्षेत्र की वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

चीन की अंतरिक्ष में ऊंची उड़ान, निर्मित कर रहा खुद का स्पेस स्टेशन, तीन अंतरिक्ष यात्रियों का दल रवाना

बीजिंग (ईएमएस)। चीन अपने अंतरिक्ष प्रोग्राम को लेकर काफी गंभीर और सक्रिय है। यही कारण है कि चीन ने पृथ्वी का चक्कर लगा रहे अपने अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करने के उद्देश्य से तीन अंतरिक्ष यात्रियों के दल को छह महीने के मिशन पर रविवार को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा। अंतरिक्षयात्रियों चेन डोंग, लियू यांग और काई शुझे के साथ शेनझोउ-14 अंतरिक्ष यान को उत्तर पश्चिमी चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। इसके कुछ ही मिनट बाद पृथ्वी पर स्थित नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने मिशन को सफल घोषित किया और बताया कि अंतरिक्षयान अपनी निर्धारित कक्षा में पहुंच गया है।

तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए तीनों अंतरिक्षयात्री ग्राउंड टीम (पृथ्वी पर तैनात दल) के साथ सहयोग करेंगे। इसे एकल-मॉडयूल संरचना से तीन मॉडयूल वाली एक राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला में विकसित किया जाएगा, जिसका मुख्य (कोर) मॉडयूल तियानहे और दो प्रयोगशाला मॉडयूल - वेंटियन और मेंगटियन होंगे। इस प्रक्षेपण का देशभर में सीधा प्रसारण किया गया। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के उप निदेशक लिन शिकियांग ने शनिवार को घोषणा की कि यह मिशन अंतरिक्ष स्टेशन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष वेधशाला में बदल देगा। लिन ने प्रक्षेपण से पहले संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शेनझोउ-14 से भेजे जा रहे अंतरिक्ष यात्री कोर मॉडयूल के साथ दो प्रयोगशाला मॉडयूल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए ग्राउंड टीम के साथ काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वे पहली बार दो प्रयोगशाला में प्रवेश करेंगे और अपने रहने के लिए वातावरण को अनुकूल बनाएंगे।

अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए दूसरी बार अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा गया है। इससे पहले, चीन के तीन अंतरिक्ष यात्री देश के नए अंतरिक्ष स्टेशन पर रिकॉर्ड छह महीने बिताने के बाद अप्रैल में पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आए थे। उन्होंने वहां अंतरिक्ष स्टेशन के अहम हिस्सों का निर्माण किया था। स्टेशन के इस साल तक तैयार हो जाने की उम्मीद है। अंतरिक्ष स्टेशन का मुख्य मॉडयूल अप्रैल 2021 में प्रक्षेपित किया गया था। इसके तैयार हो जाने के बाद चीन एकमात्र ऐसा देश बन जाएगा, जिसका अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। रूस का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) कई देशों की एक सहयोगी परियोजना है। चीन अंतरिक्ष स्टेशन (सीएसएस) को रूस के आईएसएस का प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि आगामी वर्षों में आईएसएस के काम करना बंद कर देने के बाद सीएसएस कक्षा में मौजूद एकमात्र अंतरिक्ष स्टेशन बन सकता है।

भारत, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर बनाया शहबाज को पीएम : इमरान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अभी तक सत्ता छिन जाने का शोक मना रहे हैं। वह अब तक इसके लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहरा रहे थे, लेकिन अब उन्होंने इसमें दो नाम और जोड़ दिए हैं। इमरान खान ने दावा किया कि अमेरिका, इजरायल और भारत ने शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाने के लिए मिलकर साजिश रची है। इमरान लगातार आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें सत्ता से हटाने के पीछे अमेरिका का हाथ है, क्योंकि वह रूस से सस्ता तेल खरीदना चाह रहे थे।

इमरान ने कहा शहबाज को सत्ता में लाया गया, इसलिए नहीं कि वह अकलमंद हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि वह उनके सभी आदेशों का पालन करेंगे, जिसमें पहला आदेश पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोत्तरी का था। उन्होंने ये बातें खैबर पख्तूनख्वा के अपर डीर जिले में एक रैली के दौरान कहीं। खान ने कहा कि जब भी आईएमएफ ने पीटीआई सरकार को पेट्रोल और बिजली की कीमतें बढ़ाने का आदेश दिया पूर्व सरकार कभी उनके दबाव के आगे नहीं झुकी।

इमरान ने कहा कि पाकिस्तान मेरी 'जिंदगी और मौत' है। मैं अल्लाह के अलावा किसी के भी आगे नहीं झुकता हूं। उन्होंने कहा जब आईएमएफ ने पेट्रोल और बिजली की कीमतों को बढ़ाने के लिए कहा तो पीटीआई सरकार ने पेट्रोल के दाम 10 रुपए घटा दिए थे। हम अपने लोगों को वैश्विक महंगाई से बचाना चाहते थे।

हमारा लक्ष्य बाहर से पैसे लाकर लोगों को मुद्रास्फीति से राहत देना था। पेट्रोल और बिजली महंगी होने से बाकी चीजों के दाम भी बढ़ जाते हैं। खैबर पख्तूनख्वा की रैली में इमरान खान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भी घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि शहबाज शरीफ सिर्फ अपने भ्रष्टाचार मामलों से बचने के लिए सत्ता में आए हैं। इमरान ने कहा जिस दिन शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, उन्हें और उनके बेटे दोनों को एफआईए केस के तहत आरोपित किया जाना था। उनके सत्ता में आने का कारण सजा से बचना है।

केयर्न ऑयल 2025 तक मंगला पाइपलाइन सौर ऊर्जा में बदलेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांत लिमिटेड की इकाई केयर्न ऑयल एंड गैस अपने राजस्थान स्थित तेल क्षेत्रों से कच्चा तेल गुजरात ले जाने वाली पाइपलाइन को 2025 तक सौर ऊर्जा में बदलेगी। फर्म ने एक बयान में कहा कि पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केयर्न ऑयल एंड गैस मंगला पाइपलाइन को सौर ऊर्जा में बदलने का काम शुरू ?किया है। बयान में आगे कहा गया कि 2025 तक पाइपलाइन के साथ सभी 36 एजीआई (जमीन के ऊपर की स्थापना) में सोलर रूफटॉप पीवी को स्थापित कर दिया जाएगा। मंगला पाइपलाइन दुनिया की सबसे लंबी लगातार गर्म रहने वाली पाइपलाइन है, जो राजस्थान के तेल क्षेत्रों से गुजरात में रिफाइनरियों तक विस्तृत है और इसकी कुल लंबाई 705 किलोमीटर है। बयान में कहा गया कि कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप केयर्न बिजली के अधिक प्रदूषणकारी स्त्रोतों पर निर्भरता कम कर रही है।

सरकार के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में खर्च बढ़ने से बीओबी को होगा फायदाः चेयरमैन

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के चेयरमैन हसमुख अधिया ने कहा कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र खर्च बढ़ने और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए अन्य निवेशों पर सरकार के जोर का बैंक को फायदा मिलेगा। सार्वजानिक क्षेत्र के बैंक ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि बैंक का वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा ?कि भारत सरकार ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और अन्य निवेशों पर खर्च बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। निश्चित रूप से बैंक ऋण की मांग में वृद्धि के कारण बैंकिंग उद्योग को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बैंक ने दिखाया है कि यह बदलाव के लिए अनुकूल है और उभरती व्यापक आर्थिक स्थितियों में तेजी से प्रतिक्रिया करने में सक्षम है।

अमेरिका मानवाधिकार को लेकर सऊदी अरब पर अपना रुख रखेगा तटस्थ : बाइडेन

रेहोबोथ बीच, अमेरिका (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि उन्होंने प्रमुख तेल उत्पादकों द्वारा उत्पादन बढ़ाने के लिए सऊदी अरब की प्रशंसा होने के बावजूद वहां मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर रूख पर तटस्थ हैं। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में बाइडेन ने सऊदी अरब को मानवाधिकार हनन को लेकर 'अलग-थलग' करने का संकल्प जताया था। बाइडन ने कहा कि उन्हें नहीं मालूम कि वह भविष्य में सऊदी अरब जाएंगे या नहीं, लेकिन उनकी फिलहाल वहां का दौरा करने की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने माना कि वह आगे चलकर इजराइल और सऊदी अरब सहित कुछ अरब देशों के नेताओं से मिलने की उम्मीद करते हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस राष्ट्रपति की इस यात्रा की योजना को लेकर अधिक स्पष्ट नजर आता है। योजना से वाकिफ व्हाइट हाउस के एक व्यक्ति ने कहा कि बाइडेन ने सऊदी अरब के साथ-साथ इजराइल का दौरा करने का फैसला किया है और वह संभवतः इस महीने यूरोप में कई शिखर बैठकों के लिए पहले से निर्धारित अपने यात्रा कार्यक्रम के बीच इन देशों में जा सकते हैं। हालांकि, उनके यात्रा कार्यक्रम को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। सऊदी अरब की संभावित यात्रा के बारे में पूछे जाने पर बाइडेन ने संवाददाताओं से कहा, 'देखिए, मैं वहां मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर अपने विचार नहीं बदलने जा रहा हूं। लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अगर मैं शांति लाने की दिशा में कुछ कर सकता हूं तो जरूर करूंगा। मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं।'

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में बाइडेन ने शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के क्रूर तरीकों की आलोचना की थी और अमेरिका के पत्रकार जमाल खाशोगी की 2018 की हत्या के लिए सउदी अरब को 'अलग-थलग' करने का संकल्प जताया था। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने कहा है कि शहजादे सलमान ने खाशोगी को मंजूरी दी थी। इससे पहले, व्हाइट हाउस ने ओपेक प्लस समूह के तेल उत्पादन के संकल्प को हासिल करने में सऊदी अरब की भूमिका की प्रशंसा की थी। वहीं, बाइडन ने यमन के साथ सात साल से जारी युद्ध में 60 दिनों के संघर्ष-विराम विस्तार पर सऊदी अरब के इस सप्ताह सहमति जताने को 'साहसिक नेतृत्व' का प्रदर्शन बताते हुए इस कदम की सराहना की थी।

फ्रांस में बढ़े मंकीपॉक्स के मामले, सरकार ने वैक्सीन लेने की अपील की

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस में मंकीपॉक्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह बीमारी लोगों को कोरोना की तरह ही डराने लगी है। बीते शुक्रवार को फ्रांसीसी स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी देकर बताया कि देश में अब तक मंकीपॉक्स के कुल 51 मरीज मिले हैं। वहीं बीते बुधवार को फ्रांस में कुल 33 मामले दर्ज हुए थे। फ्रेंच नेशनल पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने कहा है कि मंकीपॉक्स से पीड़ित सभी मरीज पुरुष हैं, लेकिन राहत की बात है कि अब तक सिर्फ 1 मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी। इस मरीज को भी हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई है।

फ्रांस में लोगों को मंकीपॉक्स की वैक्सीन लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को उम्मीद नहीं थी कि इतनी संख्या में मंकीपॉक्स के मरीज सामने आएंगे। उन्होंने कहा है कि देश में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। साथ ही उन्होंने लोगों से वैक्सीन लगवाने की अपील की है। फ्रांस की सरकार ने मंकीपॉक्स के रोगी के संपर्क में आने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी टीका लेने की बात कही है।

इधर यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जानकारी देकर कहा कि दुनिया में मंकीपॉक्स के अब तक 700 से अधिक मामले सामने आए हैं। अमेरिका में 21 मामले दर्ज हुए हैं। मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में डब्लूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदनोम ने प्रभावित देशों से सर्विलांस बढ़ाने की अपील की है। सबसे बड़ी राहत की बात है कि मंकीपॉक्स वायरस से मृत्यु दर आमतौर पर काफी कम है और किसी भी देश में अब तक इस बीमारी से कोई भी मौत की सूचना नहीं मिली है। वायरस की चपेट में आए मरीज को पहले बुखार होता है। इसके बाद उसके शरीर पर चेचक की तरह दाने हो सकते हैं। साथ ही लिम्फ नोड में सूजन भी हो सकती है।

मलेशिया से आयातित एल्युमीनियम उत्पादों पर नहीं लगेगा प्रतिपूर्ति शुल्क

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने मलेशिया से आयातित कुछ एल्युमीनियम उत्पादों पर प्रतिपूर्ति शुल्क नहीं लगाने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने इस बारे में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों को खारिज कर दिया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने मलेशिया से विभिन्न स्वरूप में एल्युमीनियम प्राइमरी फाउंड्री अलॉय इन्गोट के आयात पर इस साल 31 जनवरी को प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। घरेलू उद्योग की शिकायत के बाद डीजीटीआर ने यह सिफारिश की थी। राजस्व विभाग की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर गौर करने के बाद इन सिफारिशों को खारिज करने का फैसला किया है। घरेलू कंपनियों ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि मलेशिया से एल्युमीनियम उत्पादों के सब्सिडी वाले आयात की वजह से स्थानीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। डीजीटीआर शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। इसपर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेता है। प्रतिपूर्ति शुल्क किसी देश विशेष द्वारा सस्ते दाम या सब्सिडी वाले मूल्य पर अपने उत्पाद दूसरे देश में खपाने पर लगाया जाता है। यह शुल्क घरेलू उद्योग के संरक्षण के लिए लगाया जाता है।

उ. कोरिया ने फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

प्योंगयांग (ईएमएस)। कोरोना महामारी से जूझ रहे उत्तर कोरिया ने एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि बैलिस्टिक मिसाइल की तरह के इस प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण रविवार तड़के किया गया। इस मिसाइल के पथ पर दक्षिण कोरियाई सेना ने नजर बनाए रखी।

आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद किम जोंग उन अपने देश के हथियार विकास कार्यक्रम को जारी रखे हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि नया हथियार उत्तर कोरिया के परमाणु युद्ध की क्षमताओं को काफी तेजी से बढ़ा सकता है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में एक अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल दागी। यह मिसाइल जापान सागर से होती हुई गई है। कुछ दिन पहले ही अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया जल्द ही सातवां परमाणु परीक्षण कर सकता है। पिछले महीने ही उत्तर कोरिया ने तीन मिसाइलों के परीक्षण कर तहलका मचा दिया था। इनमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासोंग -17 भी शामिल थी।

उत्तर कोरिया 2022 में अब तक 13 हथियारों का परीक्षण कर चुका है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में उत्तर कोरिया जल्द ही अपने हथियारों के साथ परमाणु बम का भी परीक्षण कर सकता है। इन परीक्षणों का मकसद उत्तर कोरिया के परमाणु शस्त्रागार को मजबूत करना और ठप पड़ी कूटनीतिक बातचीत में विरोधी देशों पर दबाव बनाना है। किम जोंग उन ने इस परीक्षण की निगरानी की।

यह परीक्षण देश की सामरिक परमाणु शक्ति के प्रभावी संचालन और लंबी दूरी वाली तोपों की मारक क्षमता को मजबूत करेगा। केसीएनए ने दावा किया कि नया हथियार लंबी दूरी की तोपखाना इकाइयों की मारक क्षमता में बड़ा सुधार लाएगा। हालांकि, इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई, न ही यह बताया कि प्रक्षेपण कब और कहां हुआ। हालांकि इस दौरान टेक्टिकल न्यूक्लियर शब्द का इस्तेमाल जरूर किया गया। ऐसे में पता चलता है कि यह हथियार युद्ध के मैदान में न्यूक्लियर वॉरहेड के साथ हमला करने में सक्षम है।

ऐसे में यह हथियार अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों सहित दक्षिण कोरिया में रणनीतिक लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। सियोल में इवा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लीफ-एरिक इस्ले ने कहा कि उत्तर कोरिया न केवल अमेरिकी शहरों को निशाना बनाने के लिए लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलों को तैनात करने की कोशिश कर रहा है, बल्कि एशिया में सियोल और अमेरिकी ठिकानों को खतरे में डालने के लिए सामरिक परमाणु हथियार भी तैनात कर रहा है। प्योंगयांग के उद्देश्यों की संभावना दूसरे देशों के हमले से रक्षा करने और अपने शासन के अस्तित्व से अधिक है।

जिम्बॉब्वे में नौकरी के बदले शारीरिक संबंध बनाने को मजबूर लड़कियां हो रहीं एड्स का शिकार

हरारे (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी देश जिम्बॉब्वे से खबर आ रही है कि यहां नौकरी पाने लिए लड़कियों को शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वर्षों से भयंकर गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है। देश की लगभग 90 प्रतिशत आबादी बेरोजगार है। निराश होकर युवा रिश्वत के रूप में कुछ पैसे देकर निम्न स्तर की नौकरियां करने पर मजबूर हैं। लेकिन लड़कियों के लिए मुश्किलें और ज्यादा हैं क्योंकि उन्हें नौकरी पाने के लिए पहले नौकरी देने वालों के साथ शारीरिक संबंध बनाने पड़ रहे हैं जिससे कई लड़कियां एड्स जैसी गंभीर बीमारियों की शिकार होती जा रही है। नॉर्मन चिसुंगा वैसे ही कुछ युवाओं में से एक हैं जो नौकरी की तलाश में फरवरी 2019 में अपना गांव छोड़ राजधानी हरारे अपने चाचा के पास पहुंचे। उन्हें नौकरी की सख्त जरूरत थी। उनके चाचा राजधानी के सबसे घनी आबादी वाले शहर मबारे में एक व्यापारी का काम करते हैं।

24 वर्षीय चिसुंगा ने बताया कि साल 2017 में उन्होंने हाई स्कूल डिप्लोमा किया था। उन्होंने कहा, 'मैं किसी भी तरह की नौकरी करना चाहता था लेकिन कहीं कोई नौकरी ही नहीं थी।' चिसुंगा की तरह ही जिम्बाब्वे का हर युवा नौकरी की तलाश में है लेकिन किसी को कोई काम नहीं मिल रहा। देश के 1 करोड़ 40 लाख लोगों में से अधिकांश लोग आजीविका के लिए किसी न किसी असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं क्योंकि देश में लोगों को कोई नौकरी नहीं मिल रही। इधर, चिसुंगा की किस्मत अच्छी रही कि हरारे पहुंचने के कुछ हफ्तों के बाद उन्हें नौकरी मिल गई। उनके चाचा ने उर्वरक बनाने वाली एक स्थानीय कंपनी में उन्हें काम दिला दिया। लेकिन इस नौकरी के लिए घूस के रूप में उन्हें कुछ पैसे देने पड़े। उन्हें नौकरी की जरूरत थी, इसलिए नौकरी देने वाले को पैसे देने पड़े। चिसुंगा कहते हैं, 'मैं अपने गांव वापस नहीं जाना चाहता था।'

चिसुंगा को छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट की नौकरी के लिए सौ अमेरिकी डॉलर रिश्वत देने को कहा गया। लेकिन उनके पास उतने पैसे नहीं थे तो पहले उन्होंने छह हफ्ते की नौकरी के लिए 30 अमेरिकी डॉलर (12 हजार जिम्बाब्वे डॉलर) का भुगतान किया। उन्होंने उर्वरक कंपनी को एक साल की नौकरी के लिए घूस दी। कंपनी में वो 50 किलो वजन के उर्वरक को पीठ पर उठाकर उसे सही जगह रखने का काम करते हैं।

अलजजीरा ने जिम्बाब्वे के कई युवाओं का इंटरव्यू किया जिसमें लोगों ने बताया कि निम्न से निम्न स्तर की नौकरी के लिए उन्होंने नौकरी देने वाले को या तो पैसा दिया है या मजबूरी में शारीरिक संबंध बनाए हैं। 24 वर्षीय ब्यूटी थेरेपिस्ट तायानाना कुटेउरा, जो अब राजधानी हरारे में एक दुकान पर काम करती है, ने बताया, 'मैं एक सुपरमार्केट में नौकरी चाहती थी। मैनेजर नौकरी देने के लिए 50 अमेरिकी डॉलर की मांग कर रहा था। मेरे पास उस वक्त पैसे नहीं थे लेकिन नौकरी की मुझे सख्त जरूरत थी।' कुतुरा जैसी युवा महिलाओं से कई बार नौकरी देने वाले पुरुष बदले में शारीरिक संबंध बनाने की मांग करते हैं। कुतुरा अपना अनुभव बताती हैं, 'मुझे नौकरी के लिए इसी तरह की एक और स्थिति का सामना करना पड़ा। एक बार मुझे कैंटीन संभालने की नौकरी मिली लेकिन कहा गया कि मुझे नौकरी तभी मिलेगी जब मैं वहां के मालिक के साथ सोऊंगी। मैंने वो नौकरी नहीं ली थी।' कुतुरा ने आगे बताया, 'मैं एक ऐसी लड़की को जानती हूं जो नौकरी की चाहत में एचआईवी से संक्रमित हो गई थी। उसे एक नए खुले सुपरमार्केट के मालिक ने सेक्स के बदले में नौकरी दी थी। वो मान गई और नौकरी ले ली। नौकरी के पैसों से उसने एक कार ली और कुछ समय बाद वो सुपरमार्केट की मैनेजर बन गई। लेकिन अब वो एचआईवी संक्रमित है।'

लगातार आठवें माह जारी रखी बिकवाली, मई में एफपीआई ने 40,000 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला मई में लगातार आठवें महीने जारी रहा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा आक्रामक तरीके से दरों में बढ़ोतरी की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। एफपीआई ने मई में भारतीय शेयर बाजारों से करीब 40,000 करोड़ रुपए की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस तरह 2022 में एफपीआई अबतक 1.69 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं।

कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, ऊंची मुद्रास्फीति, केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख में सख्ती आदि कारणों से आगे चलकर भी एफपीआई का प्रवाह उतार-चढ़ाव वाला रहने वाला है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयर बाजारों से कुल 39,993 करोड़ रुपये की निकासी की है। भारतीय बाजारों में कमजोरी की एक बड़ी वजह एफपीआई की निकासी ही है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल के समय में एफपीआई की बिकवाली की प्रमुख वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में अधिक आक्रामक तरीके से वृद्धि की आशंका है।

फेडरल रिजर्व इस साल बढ़ती मुद्रास्फीति पर काबू के लिए नीतिगत दरों में दो बार बढ़ोतरी कर चुका है। बीडीओ इंडिया के भागीदार और लीडर (वित्तीय सेवा कर) मनोज पुरोहित ने कहा इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर चिंता के बीच एफपीआई असमंजस में हैं। युद्ध की वजह से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम चढ़ रहे हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी, वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख को सख्त करने और विदेशी मुद्रा डॉलर दर में बढ़ोतरी से विदेशी निवेशक संवेदनशील बाजारों में बिकवाली कर रहे हैं।'' अक्टूबर, 2021 से मई, 2022 तक आठ माह में एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से 2.07 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने हालांकि कहा कि अब एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार धीमी हुई है। जून के शुरुआती दिनों में उनकी बिकवाली काफी कम रही है। उन्होंने कहा कि यदि डॉलर और अमेरिकी बांड पर प्रतिफल स्थिर होता है, तो एफपीआई की बिकवाली रुक सकती है।

अतीत पर दृष्टि डालते हुए वर्तमान उपायों के माध्यम से भविष्य की नई राह बनाने का अवसर है पर्यावरण दिवस: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के राज्यस्तरीय समारोह में स्पष्ट रूप से कहा कि यह दिवस हमारे अतीत पर दृष्टि डालते हुए वर्तमान स्थिति के उपायों के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल उज्ज्वल भविष्य की नई राह बनाने का अवसर है। उन्होंने समय की मांग के अनुरूप और पृथ्वी पर जीने के सभी के अधिकार को सुरक्षित रखते हुए लोगों से सामाजिक जिम्मेदारीपूर्ण ऐसा बर्ताव करने की अपील की जिससे कि पृथ्वी को कम से कम नुकसान पहुंचे। रविवार को अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नए कदम और पहल से देश को प्राकृतिक कृषि के जरिए जमीन और मानव दोनों के स्वास्थ्य सुधार की नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ग्लासगो में आयोजित क्लाइमेट चेंज सम्मेलन में वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो कार्बन एमिशन देश बनाने का संकल्प व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री ने इस संकल्प को साकार करने के लिए वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक ले जाने और कुल ऊर्जा जरूरत का 50 फीसदी नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से हासिल करने की मंशा जताई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने में गुजरात संपूर्ण योगदान के साथ तैयार है और राज्य के उद्योगों एवं सभी के सहयोग से गुजरात पर्यावरण प्रिय औद्योगिक विकास में अग्रणी है। उन्होंने 'आजादी का अमृत महोत्सव' वर्ष के इस विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी से जल एवं जमीन को बचाकर, उसे शुद्ध रखते हुए पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प करने का आह्वान किया। भूपेंद्र पटेल ने राज्य के उद्योगों को भी पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की रोकथाम के साथ विकास में सहभागी बनने का अनुरोध करते हुए साफ तौर पर कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के उद्योगों के प्रयासों में उनके साथ है तथा उनके उचित एवं वाजिब मुद्दों के लिए मुख्यमंत्री या पर्यावरण मंत्री के द्वार खुले हैं। उल्लेखनीय है कि गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) ने इस अवसर पर कई पहलें शुरू की हैं। तदअनुसार जीपीसीबी की ओर से 5 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से साबरमती, महीसागर, तापी और दमणगंगा नदियों के अलावा कांकरिया और थोळ झील पर रीयल टाइम ऑनलाइन वाटर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित करने का कार्य जारी है। इससे नदियों और तालाबों के पानी की गुणवत्ता पर रीयल टाइम निगरानी रखते हुए उसे सुधारने के सटीक कदम उठाए जा सकेंगे। विभिन्न प्लेटफार्म की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की रीयल टाइम जानकारी को एक ही प्लेटफार्म पर लाकर मॉनिटरिंग, चेक, वार्निंग-अपडेट्स के साथ बोर्ड को ज्यादा कुशलता एवं पारदर्शी तरीके से कम मानवबल के साथ प्रदूषण नियंत्रण करने में सक्षम बनाने के लिए लगभग 7 करोड़ रुपए के खर्च से सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इससे तुलनात्मक ग्राफिकल डेटाबेज से रिसर्च एवं डेवलपमेंट को भी गति मिलेगी। इसके अलावा, बोर्ड की ओर से वीएलटीएस (व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम) कार्यरत किया गया है। इस सिस्टम के क्लोज लूप के माध्यम से खतरनाक कचरे के प्रबंधन पर पैनी नजर रखी जा सकेगी।

जीपीसीबी द्वारा शुरू की गई हेल्प डेस्क व्यवस्था को समय की मांग के साथ बिल्कुल नया रूप देकर राज्य के चैम्बरों के मार्फत 10 से अधिक औद्योगिक एसोसिएशनों में कानूनी तथा सरकारी नियमों का मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इसके अंतर्गत बोर्ड के अधिकारियों की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मार्गदर्शन देने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उद्योगों के मुद्दों का त्वरित निराकरण होगा। जीपीसीबी ने उद्योगों की समस्याओं तथा उनके मुद्दों के स्थानीय स्तर पर एक साथ निराकरण के लिए हर महीने के तीसरे बुधवार को दोपहर 3 से 5 बजे के दौरान राज्य के सभी प्रादेशिक कार्यालयों में ओपन हाउस के आयोजन की घोषणा की है। जीपीसीबी ने जमीन के चयन को लेकर उद्योगों को होने वाली अड़चनों को दूर करने तथा अन्य विभागों के मानदंडों के साथ सामंजस्य स्थापित करने 'जीपीसीबी के साइटिंग क्राइटेरिया' की घोषणा की है। इससे उद्योगपति जमीन में निवेश करने से पूर्व सुचारु तरीके से निर्णय ले सकेंगे।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि पर्यावरण दिवस 'ओनली वन अर्थ' थीम के साथ मनाया जा रहा है। अलग क्लाइमेट चेंज विभाग शुरू करने वाले देश के चार राज्यों में से गुजरात पहला राज्य है जिसने यह कदम उठाया है। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों से हमारे धर्मस्थलों को प्लास्टिक मुक्त बनाने की मुहिम में आगे आने की अपील भी की। विश्वकर्मा ने कहा कि केवल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाना पर्याप्त नहीं है। हम केवल भौतिक सुविधाओं के बारे में ही सोचते हैं, लेकिन पर्यावरण के जतन एवं संवर्धन की चिंता नहीं करते। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में मनाये जाने वाले विभिन्न 'दिवस' प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पर्यावरण दिवस से जुड़े हुए हैं, तब पर्यावरण की सुरक्षा हमारी अग्रिम प्राथमिकता है। खाद्यान्न उत्पादन प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री ने कहा कि एक अनुमान के अनुसार 1 किलो गेहूं उगाने के लिए लगभग 800 लीटर पानी का इस्तेमाल होता है। ऐसे में हमें अन्न की बर्बादी से बचना होगा। इसके साथ ही बिजली और ईंधन बचाओ जैसे अभियान भी समय की समय की मांग हैं। आगामी पीढ़ी को स्वस्थ्य पर्यावरण देना हमारा नैतिक कर्तव्य है, ऐसे में विदेशी संस्कृति को अपनाने के बदले अपनी परंपराओं को आगे बढ़ाना समय की मांग है।

वन एवं पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार सोलंकी ने स्वागत भाषण में कहा कि राज्य सरकार उद्योगों और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने का काम भली-भांति कर रही है। दुनिया ने इस बात को स्वीकार किया है। राज्य का वन एवं पर्यावरण विभाग इस दिशा में कटिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं महानुभावों ने प्लास्टिक कचरे के एकत्रीकरण और निस्तारण की मुहिम में सक्रिय योगदान देने वाले उद्योगों एवं संस्थानों का प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रांगण में पौधरोपण किया।

शहर में रथयात्रा की तैयारियां हुई शुरू, रूट के जर्जरित मकानों की मरम्मत कराने की नोटिस

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर में अगले महीने निकलने वाली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। रथयात्रा के रास्ते में आनेवाले जर्जरित मकानों की अतिशीघ्र मरम्मत कराने की महानगर पालिका की ओर से नोटिस जारी किया गया है। कोरोना महामारी के चलते 2020 में अहमदाबाद में रथयात्रा नहीं निकाली गई। पिछले साल यानी 2021 में भगवान नगर भ्रमण को निकले जरूर थे, लेकिन उसमें लोगों को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। इस वर्ष कोरोना काफी हद तक नियंत्रण है और इसलिए आगामी रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावनाओं को देखते हुए पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया है। रथयात्रा अषाढी दूज को निकलती है और इस वर्ष 1 जुलाई 2022 को अषाढी दूज है। रथयात्रा के आडे महज 25 दिन रह गए है। मंदिर संचालक विधि और भगवान के श्रृंगार की तैयारियां कर रहे है। पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था की तैयारयों में व्यस्त है। दूसरी ओर अहमदाबाद महानगर पालिका ने रथयात्रा के रूट स्थित जर्जरित मकान हो या छतों को गिराने या उनकी अतिशीघ्र मरम्मत कराने की नोटिस जारी की है। महानगर पालिका प्रशासन ने मध्य जोन के 283 उत्तरी जोन में 142 जर्जरित मकानों को ये नोटिस जारी किए गए है। महानगर पालिका की स्थायी समिति के प्रमुख हितेश बारोट ने बताया कि रथयात्रा के रूट में जो मकान जर्जरित हो चुके हैं, उनके गिराने या मरम्मत कराने की नोटिस जारी की गई है। एस्टेट विभाग द्वारा रूट में आनेवाले मकानों की गैलरी या झरोखों की मरम्मत कराने की नोटिस के साथ ही रथयात्रा के दिन ऐसी गैलरी में किसी को प्रवेश नहीं करने देने का आदेश दिया गया है।

पेड़-पौधों में ईश्वर के दर्शन करेंगे, तो हमें हर स्थिति में बचाएंगे पेड़: मुख्यमंत्री

- विश्व पर्यावरण दिवस पर साबरकांठा जिले के तिरुपति ऋषि वन में आयोजित हुआ शानदार कार्यक्रम
- 'विश्व पर्यावरण दिवस पर ही नहीं पूरे साल करें पेड़-पौधों की देखभाल'

साबरकांठा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में रविवार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर साबरकांठा जिले के देरोल स्थित तिरुपति ऋषि वन में ग्रीन ग्लोबल ब्रिगेड गुजरात की ओर से क्रांतिकारी पूज्य संत पद्मभूषण स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज का सार्वजनिक प्राकृतिक सम्मान और अभिवादन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था की ओर से 11,000 ग्रीन कमांडो द्वारा 11,000 पौधों का रोपण, 1100 यूनिट रक्तदान, 1100 गंगास्वरूपा (विधवा) महिलाओं को कंबल वितरण तथा पूज्य स्वामी को प्रकृति अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, हिम्मतनगर के विधायक राजेन्द्रसिंह चावड़ा, पूर्व विधायक कांति पटेल, अग्रणी सोमा मोदी, ग्रीन एम्बेसेडर और ग्रीन ग्लोबल ब्रिगेड गुजरात के संस्थापक जीतूभाई तिरुपति तथा ब्रिगेड के अध्यक्ष निलेश राजगोर सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी, युवा और महानुभाव उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस मौके पर पौधरोपण कर पर्यावरण प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम सभी पर्यावरण की देखभाल के लिए एकत्रित हुए हैं। हमें पौधों का रोपण कर पर्यावरण का संरक्षण करना है और प्रकृति को जीवंत रखना है। हमने यह अनुभव किया है कि प्रकृति जब नाराज होती है, तो वह कितनी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि संस्थानों, युवाओं और सभी लोगों से पौधरोपण कार्यक्रम से जुड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से हमें दीर्घकालिक आयोजन और टिकाऊ विकास करना है, जिसमें सरकार का भी दायित्व है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ऋतुओं में भी बदलाव नजर आ रहा है, लेकिन हमारे पास दूरदर्शी नेतृत्व है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के लिए बहुत प्रयास किए हैं, साथ ही जलवायु परिवर्तन का अलग विभाग शुरू किया है। प्रधानमंत्री ने प्रकृति की ओर वापस लौटने का संदेश दिया है। प्राकृतिक खेती करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए एलईडी बल्ब का वितरण करने से कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम किया है। प्रधानमंत्री ने 'एक सूरज, एक विश्व, एक ग्रिड' का मंत्र दिया है। पूरी दुनिया में सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन देकर ऐतिहासिक निर्णय किए हैं, दुनिया के विकसित देश भी इस अभियान में शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधों में ईश्वर के दर्शन करने और वृक्ष नारायण की भावना तथा पेड़ काटने से मानव मन में वेदना उत्पन्न होने से हम पर्यावरण को बचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती, गाय आधारित खेती के माध्यम से जमीन का स्वास्थ्य सुधारने से मानव का स्वास्थ्य भी अपने आप सुधरेगा। रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ता है। गाय आधारित खेती की दिशा में मुड़ेंगे तो मनुष्य स्वस्थ्य रहेगा और अन्य सब कुछ भी आसानी से प्राप्त हो सकेगा। पटेल ने कहा कि पौधरोपण को आज विश्व पर्यावरण दिवस तक ही सीमित न रखते हुए पूरे साल के दौरान खेत की मेड़, सड़क या नदी के किनारे या अनुपयोगी-बंजर भूमि सहित जहां कहीं भी जगह दिखे वहां पौधरोपण करेंगे तो ग्लोबल वार्मिंग की समस्या हल होगी। कोरोना के दौरान हमें ऑक्सीजन का मूल्य समझ आया है। उन्होंने अधिकाधिक पौधरोपण कर गुजरात की धरती को हरा-भरा नवपल्लवित करने का आह्वान किया।

भाई-बहन के पवित्र रिश्तों को लांछन लगाती दो घटनाएं, कहीं मौसी तो कहीं मामा के बेटे ने बहन से किया दुष्कर्म

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के वेजलपुर क्षेत्र में दुष्कर्म की दो घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें दो अलग अलग युवकों ने बहनों के साथ दुष्कर्म किया। पकड़े गए आरोपियों में एक सगी मौसी का बेटा है तो दूसरा मामा पुत्र होने का खुलासा हुआ है। वेजलपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वेजलपुर क्षेत्र में रहनेवाली 19 वर्षीय युवती पर उसकी मौसी का बेटा प्रेमसंबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। लेकिन युवती उसकी बातों में नहीं आई। जनवरी में युवती को अपनी मोटर साइकिल पर बिठाकर युवक अपने साथ ले गया। बाद में कार में युवती को लेकर चोटीला पहुंचा और वहां की एक होटल में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। जिसके बाद युवती को बदनाम करने की धमकी देने लगा। एक बार युवती को लेकर बगोदरा स्थित अपने निवास पहुंचा और परिवार को बताया कि वह उससे शादी करना चाहता। लेकिन परिवार ने ऐसा करने से इंकार कर दिया। परिवार के इंकार करने के बाद भी युवक ने युवती को तीन महीनों तक अपने साथ रखा और शादी की लालच देकर उसके साथ बलात्कार करता रहा। बाद में युवती को लेकर युवक अहमदाबाद आ गया और यहां भी करीब डेढ़ महीने तक दुष्कर्म किया। युवती अगर शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती तो युवक उसके साथ मारपीट करता था। दूसरी ओर युवती के पिता ने अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने पीड़ित युवती के सगी मौसी के भाई को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। ऐसी ही दूसरी घटना भी वेजलपुर पुलिस थाने में दर्ज हुई है। जिसमें मामा के बेटे ने बहन के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित युवती सफाईकर्मी है। युवती के मामा के बेटे ने शादी की लालच देकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। मामला तब पुलिस थाने पहुंच गया जब युवक ने पीड़िता से शादी करने से इंकार कर दिया। वेजलपुर पुलिस ने पीड़िता के मामा के बेटे को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

अहमदाबाद मंडल पर "विश्व पर्यावरण दिवस 2022" समारोह की शुरुआत

अहमदाबाद (ईएमएस) भारतीय रेलवे पर्यावरण के अनुकुल कार्य करने वाला यातायात का साधन है। भारतीय रेलवे के प्रमुख एजेंडों में से एक ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा है। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर EnHM तथा विद्युत विभाग द्वारा ISHRAE (इंडियन सोसाइटी ऑफ हिटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स) के सहयोग से डीआरएम ऑफिस, अहमदाबाद के ऑडिटोरियम में संयुक्त रूप से "वन डिग्री चैलेंज ड्राइव" नामक एक ऊर्जा संरक्षण विधि (सूप्द्) का आयोजन किया गया। ऊर्जा संरक्षण के लिए घर्ए द्वारा यह पहल " वन डिग्री चैलेंज" नाम से शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य लोगों में एयर कंडीशनर का तापमान एक डिग्री बढ़ाकर ऊर्जा संरक्षण के प्रति लोगों को अनुकूल बनाने तथा उन्हें जागरूक करना था। डीआरएम ऑफिस अहमदाबाद में आयोजित इस 'वन डिग्री चैलेंज ड्राइव' में 100 से अधिक रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने कार्यालयों एवं घरों में भी एयर कंडीशनर का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रखकर उपयोग करने तथा और एक डिग्री तापमान की वृद्धि कर एयर कंडीशनर का उपयोग करने की शपथ ली। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) परिमल शिंदे, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक फेडरिक पेरियत, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर(उ) कुमार संभव पोरवाल, मंडल बिजली इंजीनियर श्रीमती रजनी यादव, अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा टीम घर्ए के सदस्य उपस्थित रहे।

अहमदाबाद-योग नगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस ट्रेन मेरठ सिटी स्टेशन पर शोर्ट टर्मिनेट होगी

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के ज्वालापुर और हरिद्वार सेक्शन पर ट्रैक स्लेविंग कार्य हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण अहमदाबाद-योग नगरी-अहमदाबाद योगा एक्सप्रेस मेरठ सिटी और योग नगरी ऋषिकेश के बीच निरस्त रहेगी। इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

- दिनांक 5 जून 2022 की ट्रेन संख्या 19031 अहमदाबाद-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस मेरठ सिटी स्टेशन पर शोर्ट टर्मिनेट होगी तथा मेरठ सिटी और योग नगरी ऋषिकेश के बीच निरस्त रहेगी।
- दिनांक 6 जून 2022 की ट्रेन संख्या 19032 योग नगरी ऋषिकेश-अहमदाबाद एक्सप्रेस मेरठ सिटी से रवाना होगी तथा योग नगरी ऋषिकेश और मेरठ सिटी के बीच निरस्त रहेगी।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रात: कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95